

पंजाब किंग्स की टीम क्वालीफायर 1 में पहुंची

जयपुर। आइपीएल 2025 के बेहद अहम मुक़ाबले में सोमवार को पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हरा कर क्वालीफायर-1 में जगह बना ली। पंजाब की टीम ने 7 विकेट से बाजी मारी। हार्दिक पांड्या की टीम मुंबई इंडियंस इस शर्मनाक हार के बाद टॉप 2 से बाहर हो गयी।

सीआरपीएफ जवान निकला गद्दर, धराया

नयी दिल्ली। एक चौंकाने वाले मामले में, सीआरपीएफ के एक एएसआइ मोती राम जाट पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप लगा है। वह 2023 से पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी दे रहा था और बदले में लाखों रुपये ले रहा था। उसे गिरफ्तार कर एनआइ की टीम पूछताछ कर रही है। पता लगाया जा रहे कि कहीं उसने पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद हुई सैन्य कार्रवाई के दौरान भई पाकिस्तान को कुछ क्लॉसफाइड जानकारी तो लीक नहीं की थी।

सफेद कोबरा सांप को देखते ही मचा हड़कंप जामताड़ा। नारायणपुर प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट के पास सोमवार दोपहर अचानक एक सफेद कोबरा सांप देखे जाने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने देखते ही इसकी सूचना वन विभाग को दी। कुछ ही मिनटों में विभाग की टीम पहुंची। वनरक्षी पलक कुमार ने बताया कि सफेद कोबरा को सुरक्षित पकड़ने में काफी मेहनत करनी पड़ी। रेस्क्यू ऑपरेशन कर सांप को सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

हाथी ने कुचल कर वृद्ध महिला को मार डाला

कोडरमा। जयनगर प्रखंड के ग्राम कोसमाडीह में सोमवार की सुबह हाथी ने कुचलकर महिला को मार डाला।विधवा कलवा देवी (57) सुबह शौच के लिए गयी थी। हाथी को देखकर महिला भागने लगी। हाथी ने दौड़ाकर महिला को पटककर कुचल दिया। घटनास्थल पर ही महिला की मौत हो गयी।

चारधाम के श्रद्धालुओं की होगी कोविड जांच

देहरादून। उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की कोविड जांच करने का फैसला लिया है। कोविड जांच के लिए एटीजन और आरटी-पीसीआर किट खरीदने पर भी तैयारी की जा रही है। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

झारखंड में 31 तक बारिश और तेज हवा का अलर्ट रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में 31 मई तक गर्जन, हल्की बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।



खबर मन्त्र

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ



गुजरात दौरे पर पीएम, जनसभा में पाकिस्तान को दी चेतावनी

अपनी रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही : मोदी

■ आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है...

एजेंडी

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार सोमवार को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। मोदी सोमवार सुबह सबसे पहले वडोदरा, फिर दाहोद और इसके बाद भुज पहुंचे। तीनों जगह उन्होंने रोड शो किया। दाहोद और भुज में जनसभा की।

प्रधानमंत्री ने दाहोद में कहा कि देश विभाजन के बाद अस्तित्व में आया देश भारत के प्रति नफरत पर जी रहा है। पाकिस्तान का एकमात्र उद्देश्य भारत से दुश्मनी करना और भारत को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन भारत का लक्ष्य गरीबी हटाना, आर्थिक विकास लाना और विकसित राष्ट्र बनना है। श्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई नहीं, यह हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी सोचा नहीं होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना

दो टूक : भारत पर आख उठायी तो बख्शेंगे नहीं...

■ बाल-बच्चों के सामने पिता को गोली मार दी। आज भी वे तस्वीर देखते हैं, तो खून खौल जाता है। आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी, इसलिए हमने वही किया, जिसके लिए देशवासियों ने मुझे जिम्मेदारी दी।



नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुश्किल होता है। बाल-बच्चों के सामने पिता को गोली मार दी। आज भी वे तस्वीर देखते हैं, तो खून खौल जाता है। ये 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी, इसलिए हमने वही किया, जिसके लिए देशवासियों ने मुझे जिम्मेदारी दी। जनसभा से पहले श्री मोदी ने दाहोद में लोकोमोटिव विनिर्माण संयंत्र सहित 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऐसे अभूतपूर्व और अकल्पनीय निर्णय लिये हैं, जो दशकों पुरानी बाधाओं से मुक्त हुए हैं और हर क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा, आज देश निराशा और अंधकार के युग से निकलकर आत्मविश्वास और आशावाद के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी भिटना तय : भुज में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि भारत पर आख उठाने वाले को किसी भी कोमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही। इससे पहले, दाहोद में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था। कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा, आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी भिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों

प्रधानमंत्री मोदी ने 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे कर लिये हैं। 25 मई 2014 में श्री मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली थी। यह देश के आधुनिक राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था क्योंकि इसने भारत में गठबंधन की राजनीति के 30 वर्ष के युग को समाप्त कर दिया था और लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया था।

गुजरात के आप सभी लोगों ने मुझे भरपूर आशीर्वाद दिया, और बाद में देश के कोटि-कोटि जनो ने भी मुझे आशीर्वाद देने में कोई कमी नहीं रखी।

ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कच्छ का दूरिज्म मशहूर है लेकिन पाकिस्तान के लिए टेररिज्म ही दूरिज्म है। पीएम ने भुज में 53,400 करोड़ रुपए के 31 प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और ई-लोकार्पण भी किया।

जैक बोर्ड आज मैट्रिक का रिजल्ट करेगा जारी

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से मंगलवार को मैट्रिक परीक्षा 2025 के परिणामों की घोषणा की जाएगी। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन कल 11:30 बजे जैक सभागार में रिजल्ट जारी करेंगे। इस मौके पर स्कूली शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। परीक्षाफल जारी होने के पश्चात जैक के वेबसाइट से 12:30 बजे के बाद रिजल्ट विद्यार्थी देख सकते हैं।

बता दें कि झारखंड में मैट्रिक और इंटर की परीक्षा इस साल 11 फरवरी से शुरू हुई थी जो 3 मार्च तक चली। इसके बाद प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित हुई जो 25 मार्च तक हुई। इस साल मैट्रिक में 4 लाख 33 हजार 890 परीक्षार्थी जबकि इंटर की परीक्षा में 3 लाख 50 हजार 138 विद्यार्थी शामिल हुए हैं। **ऐसे करें अपना रिजल्ट चेक :** जैक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद होमपेज पर दिए गए रिजल्ट लिंक पर क्लिक करें और अपना रोल नंबर भरें। आपका रिजल्ट स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा, जिसे आप डाउनलोड कर सकते हैं और पश्चि्य के लिए प्रिंट आउट ले सकते हैं।

कानून व्यवस्था पर आज सीएम करेंगे उच्चस्तरीय बैठक



रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। झारखंड मंत्रालय में दोपहर 2 बजे से आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव, गृहसचिव, डीजीपी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। गृह सचिव वंदना दादेल द्वारा जारी पत्र के अनुसार इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कई जिलों एवं अन्य कार्यालय से पदाधिकारी भाग लेंगे। इसमें विधि व्यवस्था को लेकर 16 एजेंडों पर समीक्षा की जायेगी। बैठक में आपराधिक घटनायें, साइबर क्राइम, अवैध हथियार, अवैध घुसपैठ, महिलाओं के प्रति अत्याचार, एससी-एसटी के प्रति अत्याचार, भूमि विवाद, माॅब लिंचिंग, माननीयों की सुरक्षा, न्यायालय सुरक्षा, सांप्रदायिक घटना, जातीय तनाव, एसिड अटैक, अवैध खनन, अवैध लॉटरी और अवैध शराब जैसी घटनाओं पर चर्चा होगी। इधर समीक्षा बैठक को लेकर पुलिस महकमा में तैयारीय शुरू हो गई है। जिला स्तर से प्राप्त रिपोर्ट को बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जायेगा।

कोरोना का नया अटैक: देश में एक्टिव केस 1000 के पार

एजेंडी

नयी दिल्ली। ओमिक्रोन का नया स्ट्रेन बनकर कोविड-19 फिर से तेजी से फैल रहा है। देखते ही देखते भारत में कोविड के एक्टिव मामले एक हजार से ज्यादा हो गये। यह एक चिंता की बात है। लोगों ने इस वायरस को हल्के में लेना शुरू कर दिया है, जिससे कोरोना वायरस की नयी लहर बन सकती है। ऐसे में सतर्कता जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना के नये वेरिएंट से फैलने वाली नयी लहर को रोकना है तो सावधान होना होगा। **केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात में सर्वाधिक केस :** 26 मई सुबह 8 बजे तक कोरोना वायरस के एक्टिव मामले 1009 हो गए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 752 मरीज 19 मई 2025 के बाद दर्ज किये गये हैं। हालांकि इस दौरान 305 मरीज ठीक हो गये और 7 लोगों की जान चली गयी। झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में भी कई केस मिले हैं।

स्पीकर ने लोस अध्यक्ष को दी विदायी

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने सोमवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को विदायी दी। इस दौरान स्पीकर ने श्री बिड़ला को अंग वस्त्र पहनाकर एवं बिरसा मुंडा का प्रतीक चिन्ह देकर उनको विदा किया। एयरपोर्ट स्थित अति विशिष्ट अतिथि कक्ष में बैठकर विभिन्न विधायी विषयों पर अनौपचारिक बातालाप भी की। विदित हो कि लोक सभा अध्यक्ष दो दिवसीय दौरे पर रांची आये थे।



झारखंड में 20 जिलों के डीसी बदले कंचन बनीं सिमडेगा डीसी समीर एस भेजे गये पलामू

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने 20 जिलों के डीसी बदल दिये हैं। कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जारी

नाम	कहां गये
कंचन सिंह	सिमडेगा
अजयनाथ झा	बांकारो
आदित्य राजन	धनबाद
शशि प्रकाश सिंह	हजारीबाग
फेज अक अहमद	रामगढ़
रामनिवास यादव	गिरिडीह
नमन प्रियेश लकड़ा	देवघर
आर रंजीता	खूंटी
दिनेश कुमार यादव	वटगुला
अंजली यादव	गोड्डा

नाम	कहां गये
कर्ण सत्याशी	पूर्वी सिंहभूम
चंदन कुमार	पश्चिम सिंहभूम
निशित कुमार सिंह	सरायकेला खरसावां
प्रेरणा दीक्षित	मुंगला
कुमार तावरंद	लोहरदगा
अमिनीत सिन्हा	दुमका
कौंति श्री जी	चतरा
ऋतुराज	कोडरमा
समीर एस	पलामू
रवि आनंद	जामताड़ा

कोरोना का नया अटैक: देश में एक्टिव केस 1000 के पार

ये लक्षण दिखे तो शीघ्र डॉक्टर से मिलें

नया वेरिएंट रेस्पिरैटरी टूवेंट को प्रभावित करने वाला है, जिस वजह से इसके लक्षण सामान्यतः पहले जैसे ही हैं। गले में दर्द, बुखार, हल्की खांसी, सीने में जकड़न, थकान, बदन दर्द। लगातार यदि कई दिनों तक ये लक्षण दिखें तो डॉक्टर से संपर्क करें। लापरवाही नहीं बरतें।



भीड़-भाड़ वाले इलाकों पर होगी कोविड जांच : डॉ इरफान अंसारी

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सोमवार को रांची सदर अस्पताल में कोविड संक्रमण की आशंका को लेकर आपातकालीन बैठक की। इसमें सभी जिलों के स्वास्थ्य पदाधिकारियों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ गहन मंथन किया गया। बता दें कि देश में कोविड-19 के मामलों में फिर से वृद्धि और नए वेरिएंट एनबी-1.8.1 एवं एलएफ-



7 की पहचान के मेदेनजर यह बैठक बुलाई गई थी। डॉ अंसारी ने स्पष्ट कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण अस्पताल में कोविड संक्रमण की आशंका को लेकर आपातकालीन बैठक की। इसमें सभी जिलों के स्वास्थ्य पदाधिकारियों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ गहन मंथन किया गया। बता दें कि देश में कोविड-19 के मामलों में फिर से वृद्धि और नए वेरिएंट एनबी-1.8.1 एवं एलएफ-

साहिबगंज में सिपाही की मौत मामले की डीआइजी ने पड़ताल की

साहिबगंज। पुलिस लाइन में कार्यरत सिपाही सुरजीत कुमार यादव की मौत मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआइजी अंबर लकड़ा साहिबगंज पहुंचे। पुलिस लाइन के घटनास्थल पर पहुंच कर उन्होंने बारीकी से निरीक्षण किया। सुरजीत कुमार यादव का शव रविवार को महिला सिपाही बैरक के पास संधिध अवस्था में मिला था। एसपी के निर्देश पर बनी एसआईटी अपने स्तर से जांच कर रही है। इधर रांची से पहुंची फॉरेंसिक जांच टीम अपने स्तर से जांच कर रही है। सुरजीत यादव कहा-कहां सोते थे, किससे अधिक संपर्क में था, इसको लेकर पुलिस अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है। डीआइजी ने बताया कि बहुत जल्द गुथ्थी सुलझा ली जायेगी।





प्रदेश कांग्रेस ने सरना धर्म कोड लागू होने तक आंदोलन जारी रखने का लिया संकल्प

हर हाल में लागू हो सरना धर्म कोड : रधाकृष्ण किशोर

● **वित्त मंत्री ने कहा- भाजपा को आदिवासियों के विकास से कोई लेना-देना नहीं है**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इतना आंदोलन तेज करेंगे कि जातीय जनगणना की तरह केंद्र सरकार को सरना धर्म कोड लागू करना ही होगा। वित्त मंत्री ने चुनौती दी कि भाजपा में दम है तो 15 दिन के अंदर जातीय जनगणना शुरू करें। वित्त मंत्री ने कहा कि भाजपा और उनके नेताओं को आदिवासियों के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। वह सिर्फ वोट की राजनीति करते हैं। राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जब तक जातीय जनगणना में अलग सरना धर्म कोड नहीं होगा तो राज्य के अनुसूचित जनजाति के 40-43 लाख लोग उन फार्म पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

सरना धर्म कोड आदिवासियों के लिए अस्तित्व की लड़ाई : शिल्पी नेहा तिकी
सरना धर्म कोड को लेकर कृषि



सरना धर्म कोड के लिए कॉलम की मांग को लेकर राज्यपाल से मिले कांग्रेसी

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल को एक ज्ञापन समर्पित किया। ज्ञापन में शिष्टमंडल द्वारा आगामी जनगणना प्रपत्र में सरना धर्म कोड के लिए पृथक कॉलम जोड़ने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने कहा कि जब जनगणना प्रपत्र से धर्म वाले कॉलम से अन्य को हटा दिया गया है तो फिर आदिवासी समुदाय क्या करेंगे? किस धर्म में वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस आंदोलन के दम पर अलग सरना धर्म कोड लेकर रहेगी। कृषि मंत्री ने कहा कि हम

संविधान की बात करते हैं, सामूहिकता और मेल-जोल की बात करते हैं, लेकिन यह भाजपा और उसके नेताओं को यह पसंद नहीं है। उन्हें मनुवादी और मनुस्मृति पसंद है। **अलग सरना धर्म कोड लागू हो : राजेश ठाकुर** झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश

अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भाजपा को आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि राज्य में महागठबंधन की सरकार ने विधानसभा से पारित करारक अलग सरना धर्म कोड का प्रस्ताव राज्यपाल के पास भेजा था, लेकिन भाजपा इस पर चुप्पी साधे बैठी है। राजेश ठाकुर ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार अलग सरना धर्म कोड की मांग पर घुटने नहीं टेक देती, तब तक पार्टी जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर आंदोलन जारी रखेगी।

सरना धर्म कोड की लड़ाई भी जीतेंगे : सुखदेव भगत
इस मौके पर लोहरदगा से सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि केंद्र की सरकार ने साजिश रचकर जनगणना प्रपत्र से अन्य वाला कॉलम को हटाया है। अब हम राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में अलग सरना धर्म कोड की लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी की मांग के सामने झुकते हुए मोदी सरकार जातीय जनगणना कराने को बाध्य हुई, उसी तरह सरना धर्म कोड लागू करना होगा।

10 हजार से अधिक बकाएदारों की कटेगी बिजली

रांची। झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने बिजली बिल का समय पर भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ एक्शन लेगा। 10 हजार रुपए से अधिक के बकाएदारों की बिजली काटी जाएगी। वहीं ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस भेजा गया है, जिनका बकाया 10 हजार से ज्यादा है। जून माह अगले महीने से बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। **स्मार्ट मीटर लगाने के बाद शुरु की है कार्रवाई :** विभाग ने स्मार्ट मीटर लगाने का काम पूरा होने के बाद बकाया वसूली की कार्रवाई शुरू की है। मई महीने में बिजली काटने की प्रक्रिया थोड़ी धीमी रही है। लेकिन जून से बिजली कनेक्शन काटने की स्पीड को बढ़ाया जाएगा। साथ ही बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

जंतर-मंतर तक करेंगे आंदोलन : डॉ. इरफान

धरना-प्रदर्शन में शामिल स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और उनके पिता पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने कहा कि हर हाल में अलग सरना धर्म कोड लेकर रहेंगे। जरूरत पड़ी तो दिल्ली के जंतर-मंतर तक आंदोलन करेंगे।

जातिगत जनगणना पर बीजेपी को झुकना पड़ा : राजेश कच्छप

कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने कहा कि जातिगत जनगणना की मांग करने पर भाजपा जाति की बात करने वाले को लात देने की बात करती थी। लेकिन, राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के संघर्ष ने भाजपा सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। जातिगत जनगणना के पहले आदिवासियों को अलग सरना धर्म कोड आवंटित करना होगा।

भाजपा आदिवासियों का हिन्दुकरण करना चाहती है : नमन विवसल
वहीं कांग्रेस के विधायक नमन

विवसल कांगोरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता सरना-सनातन एक है की बात कर आदिवासियों का हिन्दुकरण करना चाहती है। दरअसल, भाजपा का ध्यान आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर है। उसे वह अपने उद्योगपति मित्रों में बांटना चाहती है।

धरना को इन नेताओं ने भी किया संबोधित

धरना कार्यक्रम को कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिकी, विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, भूषण बाड़ा, मामता देवी, डॉ प्रदीप बलमुचु, फुरकान अंसारी, सुबोधकांत सहाय, बादल पत्रलेख, केएस त्रिपाठी, केदार पासवान, गुंजन सिंह, जोसाई माई, राजीव रंजन प्रसाद, नीन्द्र सिंह, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, संजय लाल पासवान, अभिलाष साहु, राजन वर्मा, जयशंकर पाठक, आलोक कुमार दूबे, डॉ राजेश गुप्ता, लाल किशोर नाथ शाहदेव, गजेन्द्र सिंह, डॉ कुमार राजा, डॉ राकेश किरण महतो, जगदिश साहु ने भी किया संबोधित।

अमेरिका में झारखंड की पहचान बनाने में प्रवासियों की भूमिका सराहनीय : सुदेश



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अमेरिका के न्यू जर्सी में बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ नार्थ अमेरिका (बिजाना) के स्वर्ण जयंती समारोह में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अमेरिका में भारतीय संस्कृति को बनाए रखने में प्रवासी बिहारी-झारखंडी समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण है।

प्रवासियों की भूमिका : सुदेश महतो ने कहा कि अमेरिका में झारखंड के लोगों ने अपनी अलग पहचान बनाई है, जो गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने में प्रवासियों की भूमिका अहम है। दोनों देशों के बीच व्यापार रिकॉर्ड 191 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन

गया है।

बिजाना की भूमिका : बिजाना के अध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि संगठन की स्थापना 1975 में हुई थी और यह बिहार और झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने, युवा नेतृत्व व शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बिजाना ने विश्व के साथ भारत के संबंधों एवं छवि को सुधारने की दिशा में भी एक सफल मंच साबित हुआ है।

कैलाश खैर ने अपने सुरों से समां बांधा : समारोह में गायक पद्मश्री कैलाश खैर ने अपने सुरों से समां बांधा। इसके अलावा विश्व बैंक के ग्लोबल निदेशक सरोज झा, सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार, आज तक की वरीय संपादक श्वेता सिंह, भोजपुरी फिल्म स्टार अक्षरा सिंह जैसी हस्तियों ने समारोह को यादगार बनाया।

सुप्रियो ने उठाए ऑपरेशन सिंदूर व तिरंगा यात्रा पर सवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। प्रदेश कार्यालय, रांची में सोमवार को प्रेस वार्ता में कहा कि पीएम मोदी पुंछ, पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में आतंकी हमले पर वहां नहीं जाते हैं, पर राजनीतिक रैलियों में जाते हैं। वहां ऑपरेशन सिंदूर के बहाने भारतीय सेना के पराक्रम का जिक्र करते हैं। आनेवाले समय में चुनाव को देखते हुए वे बिहार, बंगाल, यूपी का दौरा करेंगे। **नीति आयोग की बैठक पर आरोप**
सुप्रियो ने आरोप लगाया कि



हाल ही में हुई नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने केवल भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बात की, जबकि गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बातों को नजरअंदाज किया गया।

विदेश दौरे पर सवाल

सुप्रियो ने सवाल उठाया कि ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल को विदेश दौरे पर भेजा है, लेकिन इस प्रतिनिधिमंडल ने विदेश जाकर क्या हासिल किया, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

सीजफायर पर संदेह

सुप्रियो ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद खत्म करने के लिए शुरू किया गया था, लेकिन इसे सीजफायर के नाम पर रोक दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति के इशारे पर की गई है और इसमें अमेरिका की भूमिका संदिग्ध है।

औद्योगिक विकास के मुद्दों पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से चैंबर ने की वार्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अध्यक्ष परेश गप्तानी के नेतृत्व में फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में सोमवार को शिष्टचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्य के व्यापारिक और औद्योगिक विकास के मुद्दों पर सकारात्मक वार्ता हुई। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की आवश्यकता, व्यापारिक और औद्योगिक विकास के लिए बुनियादी ढांचे की आवश्यकता और राज्य के आर्थिक विकास में चैंबर की भूमिका पर



अपने विचार साझा किये और लोकसभा अध्यक्ष को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में मुख्यतः प्रदेश के औद्योगिक विकास हेतु एक राष्ट्रीय स्तर पर संवाद की सुविधा विकसित करने, इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और इंडस्ट्रीयल इडवर्सिफिकेशन को बढ़ावा देने के लिए विशेष केंद्रीय सहायता पैकेजों में सहयोग करने,

उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास केंद्रों की स्थापना को प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश में स्टील प्लांट, रक्षा और रेलवे के मैनुफैक्चरिंग समेत अन्य प्रमुख औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने की मांग शामिल है। लोकसभा ने झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा सुझाये गये सभी

बिंदुओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि इस मुलाकात से राज्य के व्यापारिक और औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य राम बांगड, संजय अखौरी, सुनिल सरावगी, साहित्य पवन, मुकेश अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, आस्था किरण, पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा और सदस्य शशांक भारद्वाज शामिल थे।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नयासराय कालू मैदान में रविवार को हटिया विस्थापित परिवार समिति की महत्वपूर्ण बैठक समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सैकड़ों विस्थापित ग्रामीण शामिल हुए। बैठक विस्थापन, रोजगार, मुआवजा तथा प्रशासनिक सीमांकन जैसे चार प्रमुख मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। शंकर बैठा ने बैठक का संचालन किया।

समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए सरकार से न्यायोचित मांगें पूरी करने की अपील की। बैठक को कलाम आजाद, महावीर मुंडा,



फिरोज अंसारी, तरुण शाहदेव, जहाना परवीन, आशीष वर्मन, पंचू महतो, रंजीत बैठा, संजय महतो और अनवारूल हक आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर बीजू महतो, किरण देवी, श्वेता गाड़ी, अर्जुन महतो, एजाज अंसारी, धीरज शाहदेव, पिकी लिंडा, लकी तिकी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

हटिया विस्थापित परिवार समिति की प्रमुख मांगें

दोबारा उजाड़ने के प्रयास का विरोध : सरकार द्वारा सड़क चौड़ीकरण के नाम पर ग्रामीणों को

दोबारा उजाड़ने के प्रयास का समिति ने कड़ा विरोध किया। कहा कि इस अन्यायपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ 1 जून को संध्या 5 बजे आनी चौक मॉंदिर से रेलवे प्लाइडओवर तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

स्थानीय विस्थापितों को रोजगार

: कोर कैपिटल क्षेत्र में स्थित विधानसभा, उच्च न्यायालय, आईआईएम, गेल इंडिया सहित अन्य सभी सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों में स्थानीय विस्थापित परिवारों को 100% रोजगार

सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार सभी संस्थानों को आवश्यक निर्देश जारी करे।

भूमि का समुचित मुआवजा : कोर कैपिटल क्षेत्र में अब तक जितनी भी भूमि का उपयोग सरकार द्वारा किया गया है, उसका मुआवजा वर्तमान बाजार दर पर रैयतों को यथाशीघ्र प्रदान किया जाये।

पंचायत क्षेत्रों में यथास्थिति बनी रहे : उत्तरी टुंडुल एवं दक्षिणी टुंडुल पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों को नगड़ी प्रखंड में ही बनाए रखने और उनमें नगर निगम क्षेत्र में शामिल न किये जाने की मांग।

समिति की चेतावनी : यदि सरकार उपरोक्त सभी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए शीघ्र कोई ठोस समाधान नहीं करती है, तो ग्रामीण हटिया विस्थापित परिवार समितिके बैनर तले उग्र आंदोलन किया जायेगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल को लिखा पत्र राज्य सरकार को उत्पाद नीति पर सलाह देने का किया आग्रह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को पत्र लिखकर हेमंत सरकार को उत्पाद नीति पर सलाह देने का आग्रह किया है। उन्होंने पत्र में कहा है कि इसके पूर्व में भी वर्तमान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दो बार उत्पाद नीति लागू की जा चुकी है। लेकिन, दुर्भाग्यवश उन नीतियों का लाभ न तो राजस्व हित में रहा और न ही राज्य के छोटे-छोटे व्यवसायियों और बेरोजगार युवकों के पक्ष में रहा है। इसके विपरित वो नीतियां शोषण एवं राजस्व के क्षति का कारण बनीं। दुकानों में निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर शराब बेचने के कारण आम जनता से अवैध वसूली की गई। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाला राजस्व शराब माफियाओं और दलालों के जेब में चला गया।

उन्होंने कहा है कि सरकार अभी



जो नई उत्पाद नीति लागू करने जा रही है, इसमें भी कई आशंकाएं हो रही है। राज्य के राजस्व में वृद्धि एवं छोटे-छोटे व्यवसायियों को समानुपातिक अवसर मिलेगा, इसकी उम्मीद कम है। नई उत्पाद नीति में एक व्यक्ति या प्रतिष्ठान को जिला स्तर पर तीन यूनिट यानि 9 दुकानें एवं पूरे राज्य में अधिकतम 36 दुकानें मिलने का प्रावधान रखा गया है। ऐसे में शराब के बड़े-बड़े कारोबारी पूरे राज्य में दुकानों के आवंटन में अपनी भागीदारी करेंगे। इससे अधिकतम

शराब दुकानों उन्हीं के हाथों में चले जाने की संभावना ज्यादा है। उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि जिस प्रकार केन्द्र सरकार पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी के लाइसेंस निर्गत करने में दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, विधवाओं और सेना से सेवानिवृत्त जवानों को प्राथमिकता देती है। उसी प्रकार राज्य सरकार भी गरीब आदिवासी महिलाओं को जनसंख्या के आधार पर एवं सेना से सेवानिवृत्त जवानों के लिये देशी एवं विदेशी शराब दुकानों की बंटोबस्ती में आरक्षण दे। नई उत्पाद नीति में एक व्यक्ति एक दुकान को मानक मानकर एक व्यक्ति या प्रतिष्ठान को पूरे राज्य में एक ही शराब दुकान को संचालित करने का प्रावधान हो। राज्य सरकार ने निजी क्षेत्रों में राज्य के लोगों के केलिये 75 प्रतिशत आरक्षण का निर्णय कैबिनेट में लिया है, उसे शराब दुकानों के आवंटन में भी लागू करें।



सुहागिनों ने की वट सावित्री पूजा, 16 श्रृंगार कर मांगा अखंड सौभाग्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। झारखंड समेत राजधानी की सुहागिन महिलाओं ने अपनी पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्री व्रत किया। सुहागिन स्त्रियों ने सोलह श्रृंगार कर पति की लंबी आयु की कामना के साथ वट वृक्ष की पूजा की। मौके पर महिलाओं ने पति के दीघायुं के लिए रक्षा सूत्र बरगद के पेड़ में बांध कर परिक्रमा की। महिलाओं ने वट वृक्ष को अक्षत, पुष्प, चंदन, ऋतुफल, पान, सुपारी, वस्त्र, धूप-दीप आदि से

पूजा की। पूजा के बाद महिलाओं ने गीत भी गाया। मान्यता है कि इस व्रत को करने से अखंड सौभाग्य के साथ सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस त्योहार के साथ सत्यावान-सावित्री की कथा जुड़ी है, जिसमें सावित्री ने अपने संकल्प और श्रद्धा से यमराज से सत्यवान के प्राण वापिस ले लिये थे। हिंदू परंपरा में स्त्रियां अपने पति की दीघायुं और सुखद वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही यह पूजा प्रकृति की पूजा का सन्देश देता है।



रंची डीसी की अधिकारियों को दो टूक कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं



खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। रंची में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के मकसद से सोमवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता रंची के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने की। बैठक में रंची के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, नगर और ग्रामीण क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद

थे। बैठक में जिले में बढ़ते अपराधों, लंबित वारंटों, बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों, अवैध खनन और शराब के धंधे, और सरकारी योजनाओं में आ रही कानूनी अड़चनों पर विस्तार से चर्चा की गयी। उपायुक्त ने अधिकारियों को दो टूक कहा कि किसी भी हाल में कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं होना चाहिए।हर विभाग को आपसी समन्वय बनाकर तेजी से कार्रवाई करनी होगी, ताकि लोगों को सुरक्षा

और योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। खास बात यह रही कि उपायुक्त ने सर्टिफिकेट केसों की धीमी प्रगति पर भी चिंता जताई और संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समयसीमा तय करने को कहा। बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था तभी सफल मानी जाएगी, जब आम जनता खुद को सुरक्षित और सशक्त महसूस करे। उन्होंने सभी अधिकारियों से जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने की अपील की।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और कांग्रेस नेता के. राजू ने किए मां के दर्शन

बड़ा पूजा में भक्ति का माहौल

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। जगदंबा ट्रस्ट के तत्वावधान में मण्टोला में आयोजित तीन दिवसीय बड़ा पूजा महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्य पूजा का आयोजन सुबह 3 बजे से प्रारंभ हुई। पूजा को मुख्य पुजारी रामेश्वर पासवान ने अनुष्ठान संपन्न कराया। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने भी मंदिर पहुंचकर मां काली के दर्शन किए और राज्य की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उनके साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी



सिरोबेला प्रसाद एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, आलोक कुमार दुबे, विनय सिंहा दीपू, समाजसेवी शंभू गुप्ता एवं मेहुल दुबे भी उपस्थित थे।



और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार की विशेष व्यवस्था की गई थी। **जागरण और भजन संध्या** आज आज जागरण और भजन संध्या का

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर ओम बिरला का किया गया स्वागत



खबर मन्त्र व्यूटे

रंची। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार की सुबह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के पिरका मोड़ स्थित आवास पर पहुंचे। यहां

उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यपाल संतोष गंगवार, पूर्व सीएम रघुवर दास, पद्मश्री मुकुंद नायक, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, अजय मारू भी उपस्थित थे। इस

अवसर पर संजीव विजय वर्गीय, वरुण साहू, धीरज महतो, भानु जालन, सुबेश पांडे, ओमप्रकाश पांडे, इंद्रजीत यादव, रणधीर सिंह, उमेश यादव, सुभाष अग्रवाल कई लोगों ने उनका स्वागत किया।

कोविड से बेंगलुरु में मौत के बाद झारखंड में स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को किया सतर्क

मास्क पहनें व अपनी इम्युनिटी बढ़ाएं : डॉ इरफान

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बेंगलुरु में कोविड से एक वरिष्ठ नागरिक की मृत्यु की पुष्टि होते ही झारखंड में सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि सभी एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर कोविड जांच केंद्र तुरंत स्थापित करें और जांच में पॉजिटिव पाए जाने पर तत्काल अस्पताल में भर्ती कर समुचित इलाज सुनिश्चित करें। डॉ अंसारी ने बताया कि झारखंड के रंची में भी एक कोविड मामला सामने आया है, जिसमें मरीज की उम्र अधिक

भीड़-भाड़ से बचें और पौष्टिक आहार लें

डॉ अंसारी ने भाग्य अपील करते हुए कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते मेरी आप सभी से अपील है-सतर्क रहें, मास्क पहनें, भीड़-भाड़ से बचें, विटामिन्स और पौष्टिक आहार लें ताकि आपकी इम्युनिटी मजबूत रहे। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार की नई गाइडलाइंस का इंतजार कर रही है, और जैसे ही निर्देश मिलेंगे, त्वरित कदम उठाए जाएंगे। हालांकि फिलहाल कोई औपचारिक एडवाइजरी जारी नहीं की गई है, लेकिन नागरिकों को सजग रहने और अफवाहों से दूर रहने की सख्त सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि यह समय घबराने का नहीं, बल्कि एकजुट होकर जागरूकता और अनुशासन दिखाने का है। झारखंड सरकार और स्वास्थ्य विभाग हर परिस्थिति के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जब स्वास्थ्य मंत्री खुद एक डॉक्टर हो, तो निश्चित रहें-सरकार आपकी सेहत को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

है और पहले से स्वास्थ्य समस्याएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह संक्रमण विशेष रूप से उम्रदराज

डॉक्टरों की छुट्टिया रद्द कर दी गयीं



राज्य के सभी सिविल सर्जनों को सतर्क और तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य के बंद पड़े ऑक्सीजन प्लांट्स को तत्काल चालू किया जाएगा, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की आपात स्थिति का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्री की सख्ती के चलते डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ को उनके सेवा भाव के लिए विशेष धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सरकार सम्मानित करेगी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मेले के सफल आयोजन को लेकर बैठक की

27 जून से 5 जुलाई तक ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। धुवां के जगन्नाथपुर में 27 जून से 5 जुलाई 2025 तक चलने वाले ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला के आयोजन को लेकर सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

रथ मेला को लेकर पूरे मेला क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया जाएगा : उपायुक्त ने सम्बंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि 27 जून से 5 जुलाई 2025 तक होने वाली ऐतिहासिक रथ यात्रा के दौरान जगन्नाथपुर मंदिर के आस-पास पूरे मेला क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया जाएगा, ताकि मेला के दौरान कोई परेशानी न हो।

मेला के दौरान लगने वाले झूला में सुरक्षा मानकों को लेकर विशेष निर्देश : उपायुक्त श्री भजन्त्री ने कहा कि रथ मेला के दौरान लगने वाले झूलों में कोई दुर्घटना ना घटे इसको लेकर संबंधित सभी झूला संचालक संबंधित सुरक्षा मानकों का ध्यान रखेंगे। साथ ही इसे सम्बंधित प्रमाण पत्र उभलव्य रखेंगे। जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रंची के प्रतिनिधियों के साथ बेहतर मेला



बेहतर आयोजन को लेकर जिला प्रशासन तैयार

प्रशासकीय पदाधिकारी सह उपायुक्त रंची द्वारा कहा गया कि 27 जून से 5 जुलाई 2025 तक चलने होने वाले ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रंची के साथ हमेशा खड़ा है। मेला का आयोजन भव्य तरीके से संपन्न हो इसको लेकर तमाम व्यवस्था की जाएगी।

आयोजन को लेकर विभिन्न प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इन सभी प्रस्तावों में प्रशासकीय पदाधिकारी सह उपायुक्त रंची ने मंदिर न्यास समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए सम्बंधित प्रस्तावों पर सम्बंधित पदाधिकारी को मेला से सम्बंधित सभी तैयारी पूरा कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर दंडाधिकारी विधि व्यवस्था राजेश्वर नाथ

आलोक, एसडीओ सदर रंची, उत्कर्ष कुमार एवं नगर पुलिस अधीक्षक रंची, राजकुमार मेहता आवासीय दंडाधिकारी हटिया, शायनी तिग्गा और जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रंची के प्रभारी अध्यक्ष, रंजेंद्र कुमार, सचिव, मिथलेश कुमार, उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया, कोषाध्यक्ष, विनोद कुमार, प्रथम सेवक, ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सदस्य आदि थे।

इन चीजों की होगी विशेष व्यवस्था

- (1) वॉच टावर पंचमुखी गुहाले पर जगन्नाथपुर चोक 2015 साइज, लाइट की व्यवस्था एवं साउंड की व्यवस्था करना।
- (2) पंचजल की व्यवस्था करना (दिनांक 26 जून से मेला परिसर में पंचजल की व्यवस्था करना समाप्त तक)
- (3) मेला परिसर एवं मोरी बड़ी में बिजली / जनरेटर वकी व्यवस्था करना।
- (4) मोरन या छाई या स्टॉन डस्ट से मेला परिसर के नदों को भरने की व्यवस्था।
- (5) परिसर की स्वच्छता एवं बर्बादिंग पाउडर से छिड़काव करना।
- (6) विक्टोरिया एंबुलेंस की व्यवस्था।
- (7) चलते शौचालय की व्यवस्था करना।
- (8) मेला परिसर की सफाई की व्यवस्था।
- (9) अक्सिजन वाहन की व्यवस्था।
- (10) मांस मछली एवं शराब की विक्रय पर रोक लगाना।
- (11) प्रशासनिक शक्ति एवं मोडिया शक्ति की व्यवस्था।
- (12) यातायात व्यवस्था।
- (13) विभिन्न समितियों के स्वयंसेवक के पहचान कार्ड के सत्यापन की व्यवस्था।
- (14) वाहन पास जारी करना।
- (15) मुख्य मंदिर में सुरक्षा बलों एचम मोरी बड़ी में सुरक्षा बलों की तैनाती। (महिला एचम पुरुष)
- (16)रथ के चारों ओर सुरक्षा बलों की तैनाती।
- (17) तेजबल महोत्सव 26 जून को मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था करना।

- (18) पुलिस कंट्रोल रूम के रूप में नीलाद्री भवन एवं राजकीय मध्य विद्यालय में करना।
- (19) मुख्य मंदिर के नीचे बने समानांतर शां 7-00 बजे के पछात (जगन्नाथ मंदिर) के पीछे असामाजिक लोगों के जमावड़े को रोकना।
- (20) मुख्य मंदिर मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन को रोकना करना।
- (21) टैंट, माइक और साउंड की व्यवस्था करना।
- (22) नीलाद्री भवन रथ के पास वी आई पी लॉज बनाने एवं महानहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों के लिए सोफा एवं कुर्सी की व्यवस्था।
- (23) भगवान के तीनों विग्रहों का रंग रंगन की व्यवस्था।
- (24) रथ निर्माण के लिए लकड़ी (बल्ली) एवं रथ की सिटी के लिए बांस की व्यवस्था।
- (25) रथ मेला का वृहद प्रचार प्रसार की व्यवस्था।
- (26) स्वयंसेवकों के लिए नाश्ता एवं पानी की व्यवस्था।
- (27) ऐतिहासिक रथ मेला को राजकीय मेला के लिए पञ्चावार।
- (28) मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के द्वारा निजी सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था पर विचार करना।
- (29) मंदिर के दैनिक कार्य हेतु कार्यालय की व्यवस्था।
- (30) रथ की रस्ती की व्यवस्था।

जनता दरबार में रंचीवासियों की समस्याओं का हो रहा समाधान

सात साल से जमीन का नहीं कट रहा था करेक्शन स्लिप, हो गया समाधान



खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जनता दरबार में जनता की समस्याओं के समाधान से जिला प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। लगातार जनता दरबार में अपनी शिकायतें लेकर आनेवाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। सोमवार को आयोजित जनता दरबार में जिला के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों की संख्या काफी ज्यादा रही। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में एक-एक कर सभी लोगों की समस्याएं सुनी गयीं।

जनता दरबार में राजस्व, पेंशन, प्रमाण-पत्र, स्थानांतरण, भूमि पर अवैध कब्जा एवं बिक्री आदि से संबंधित शिकायतों को सुनते हुए उपायुक्त द्वारा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविर्लंब

समस्या हो तो जन शिकायत को लेकर जिला प्रशासन के व्हाट्सएप नंबर- अबुआ साथी (9430328080) पर करें शिकायत

जांच कर समाधान करने का निर्देश दिया गया। भूमि से संबंधित प्राप्त शिकायतों की ऑनलाइन अद्यतन स्थिति जांचते हुए फोन पर संबंधित अंचल अधिकारी को उपायुक्त द्वारा आवश्यक कार्रवाई जनता दरबार के दौरान ही जरूरी निर्देश दिये गये। 19 मई को जनता दरबार में सुकर पालक संघ द्वारा होटल ग्रेस्टेज पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित आवेदन दिया गया। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा इस संबंध में संघ को पूरी सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था, जिसे आज संघ द्वारा उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया गया, उन्होंने नगर निगम के

संबंधित पदाधिकारी इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन पर अवैध कब्जा एवं बिक्री से संबंधित शिकायतें भी आयी। जिसे गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित अंचल अधिकारी से बात कर मामले की जांच के आदेश दिये। अनुमण्डल पदाधिकारी को भी उपायुक्त द्वारा आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। जनता दरबार में पहुंचे शिक्षक नरेश रजक 6 डिजिटल जमीन के करेक्शन स्लिप के लिए पिछले सात साल से नामकुम अंचल कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे। यहां दूसरी बार वो उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जनता दरबार पहुंचे। इस बार काम नहीं होने की शिकायत नहीं, काम हो जाने की खुशी में वे उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री को दिल से धन्यवाद देने पहुंचे थे।



फुटपाथ दुकानदारों ने नगर निगम के खिलाफ खोला मोर्चा, लॉटरी प्रक्रिया पर उठाए सवाल

मोरहाबादी न्यू वेंडर मार्केट विवाद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मोरहाबादी न्यू वेंडर मार्केट में दुकानों की आवंटन प्रक्रिया शुरू होते ही विवाद गहराने लगा है। मंगलवार को लॉटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया जाना है, लेकिन कई फुटपाथ दुकानदार इससे नाराज हैं। दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम की ओर से की गई लॉटरी प्रक्रिया में भारी अनियमितता बरती गई है।

फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि सभी दुकानदारों को एक ही स्थान पर समाहित किया जा रहा है, जिससे उनका व्यापार प्रभावित होगा। साथ ही दुकानदारों का यह भी आरोप है कि पहले से रजिस्टर्ड कई दुकानदारों का नाम लॉटरी सूची से हटा दिया गया है।



न्यायालय के आदेश का उल्लंघन!

फुटपाथ दुकानदार संघ के अध्यक्ष कुमार रौशन कहते हैं कि उच्च न्यायालय में लंबित याचिका के आलोक में 202 याचिकाकर्ता दुकानदारों को मोरहाबादी वेंडर मार्केट में स्थान देने का आदेश है। नगर निगम ने उसी आदेश के आधार पर फॉर्म जारी कर लॉटरी के जरिए चबूतरा और दुकानों का

आवंटन करने का भरोसा दिया था, लेकिन नगर निगम द्वारा जारी की गई 169 दुकानदारों की सूची में कई दर्जन याचिकाकर्ताओं के नाम नहीं हैं, जबकि इन विक्रेताओं ने 2016 के सर्वे में संपूर्ण दस्तावेज जमा किए थे।

फूड और सब्जी मार्केट का विलय बना विवाद

निगम के इस प्रस्ताव को लेकर भी असंतोष है कि फूड और सब्जी

मार्केट को एक ही स्थान पर दिया जाएगा। दुकानदारों ने कहा कि यही पूरी तरह से अस्वीकार्य है और अलग-अलग मार्केट की मांग दोहराई है।

वेंडर मार्केट में सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

सभी 202 याचिकाकर्ताओं को दुकान आवंटित करने के साथ-साथ स्ट्रीट लाइट, पानी, बिजली कनेक्शन, शौचालय और डस्टबिन

रांची से लंबी दूरी की ट्रेनों की मांग तेज

रांची। झारखंड रेल यूजर्स एसोसिएशन ने रांची से देश के प्रमुख शहरों और विभिन्न राज्यों की राजधानियों के लिए नई लंबी दूरी की ट्रेनों की मांग को लेकर सांसद संजय सेठ और दक्षिण-पूर्व रेलवे से श्रीगृह पहल की अपील की है। प्रमुख मार्गों में रांची से देहरादून, गांधीधाम, कटरा, डॉ आंबेडकर नगर (इंदौर) के लिए नई ट्रेन सेवाएं शामिल करने की मांग की। साथ ही गढ़वा और बड़बिल के लिए फास्ट मेमू सेवा, हाटिया-दुर्गा ट्रेन को नियमित कर नागपुर तक विस्तार, रांची-कामाख्या एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाने और रांची-मुंबई ट्रेन को दैनिक करने की मांग की गई। वर्तमान में इन स्थानों तक पहुंचने के लिए यात्रियों को दिल्ली या राउरकेला होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। झारखंड रेल यूजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कुमार अभिषेक, कोषाध्यक्ष छोट्टी कुमारी, सचिव नईयर इमाम, उप सचिव रितिक राज एवं प्रवक्ता सत्यम श्रीवास्तव ने इन सभी समस्याओं को लेकर सांसद संजय सेठ एवं रांची रेल मंडल से शीघ्र समाधान की अपील की है।

जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है। संघ का प्रतिनिधिमंडल नगर प्रशासक और उप प्रशासक से मिलकर इन सभी मुद्दों पर लिखित आपत्ति दर्ज करा चुका है। दुकानदारों ने स्पष्ट किया है कि यदि समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आगामी लॉटरी प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे।

अलॉटमेंट के बाद आपत्ति आवेदन मांगे जाएंगे : अपर प्रशासक

वहीं इस मामले में रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार ने कहा कि प्राप्त आवेदन का आलोक में स्कूटनी हुई है। कुछ वेंडर्स का सूची में नाम नहीं है। अलॉटमेंट होने के बाद एक बार फिर आपत्ति आवेदन मांगा जाएगा और पेशानियों को दूर किया जाएगा। आगे तिथि का निर्धारण किया जाएगा। जो भी आवेदक अहतां पूरी करेंगे उन्हें चयनित

किया जाएगा। फूड मार्केट, वेजिटेबल मार्केट, फिश मार्केट को अलग-अलग करने की मांग की गई है, लेकिन जो हमारे पास संसाधन हैं अभी उसी संसाधन के तहत काम किया जा रहा है।

फिलहाल अलग-अलग मार्केट देना संभव नहीं

उन्होंने कहा कि सभी वेंडर्स को अलग-अलग बैठाया जाएगा। इसकी पूरी योजना बना ली गई है। इसमें कहीं से भी कोई पेशानी नहीं है। मार्केट संचालन के बाद मैनेजिंग कमिटी भी गठित की जाएगी। जिसमें सभी व्यवस्थाएं होंगी। पेशानियों का समाधान करने के लिए अलग से लोग होंगे। एक अच्छे वातावरण में वेंडिंग करने के लिए मार्केट प्रदान किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल यह संभव नहीं है कि सबको अलग-अलग मार्केट दिया जाए।

राज्यपाल ने 'ए हैडबुक ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल थॉट' पुस्तक का किया विमोचन



खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को राज भवन में पूर्व सांसद डॉ यदुनाथ पाण्डेय द्वारा लिखित पुस्तक 'ए हैडबुक ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल थॉट' का विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने डॉ पांडेय को पुस्तक के लेखन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डॉ पांडेय की पुस्तक की सराहना

करते हुए कहा कि यह पुस्तक न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण योगदान है।

वया है पुस्तक की विशेषता

पुस्तक के लेखक डॉ यदुनाथ पांडेय ने बताया कि इस पुस्तक में कुल 24 अध्याय हैं। इसके अलावा इस पुस्तक में ग्रेथ ऑफ इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल और प्रश्नोत्तर खंड भी शामिल हैं। ये खंड विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे।

हिंदी साहित्य भारती ने लोस अध्यक्ष ओम बिरला का किया अभिनंदन एवं स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी स्थित स्वर्ण भूमि वेंकरट हॉल में राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का सम्मान किया गया। यह समारोह न केवल जनप्रतिनिधित्व के सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि साहित्य और संस्कृति का भी एक अद्भुत संगम प्रस्तुत करता दिखाई दिया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष बलराम पाठक, संगठन महामंत्री अजय राय, उपाध्यक्ष संजय सराफ, कोषाध्यक्ष त्रिपुरेश्वर मिश्र, मीडिया प्रभारी संजीव दत्ता ने ओम बिरला जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर, शाल ओढ़ाकर तथा साहित्यिक कृति प्रदान कर अभिनंदन करते हुए सम्मानित



किया। संस्था के प्रांतीय महामंत्री राकेश कुमार द्वारा रचित गोदान के काव्य रूपांतरण की पुस्तक श्री बिरला जी को भेंट की गई, जो साहित्य प्रेमियों के लिए एक विशेष क्षण बन गया।

इस मौके पर हिंदी साहित्य भारती ने अपने अभिनंदन के माध्यम से यह संदेश दिया कि राष्ट्र के सर्वोच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों का साहित्यिक एवं

सांस्कृतिक मूल्यों के साथ संवाद आवश्यक है। ओम बिरला जी ने भी इस अवसर पर साहित्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रेमचंद की गोदान जैसे कालजयी उपन्यासों को काव्य रूप में प्रस्तुत करना नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में अनेक साहित्यकार, बुद्धिजीवी सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा प्रतिभाओं की उपस्थिति थी।

योग के लिए आठ अंगों का पालन करना जरूरी : स्वामी शिवानन्द



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संस्कृत भारती की ओर से आयोजित 12 दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण वर्ग के चौथे दिन सोमवार को आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के स्वामी शिवानन्द ने संगीत के माध्यम से योगाभ्यास कराया और योग के महत्व की विस्तार से चर्चा की। मौके पर उन्होंने कहा कि लोग आसन और प्राणायाम करके यह मान लेते हैं कि योग की अवस्था पूर्ण हो गयी, लेकिन जब तक हम योग के आठ अंगों का क्रमबद्ध पालन नहीं करेंगे न तो योग की अवस्था ही पूर्ण हो सकेगी और न हम लाभ ही स्वीकार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के सुखी, समृद्ध और संपन्न जीवन की

एकाम्रता स्तोत्र डॉ जगदम्बा प्रसाद सिंह, पञ्चाङ्ग की प्रस्तुति चन्दन कुमार और चिन्तन प्रान्त - सहप्रशिक्षण प्रमुख सर्वेश कुमार मिश्र ने कराया। संस्कृत भारती के प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कार्यकर्ताओं की ओर से रांची के पांच स्थानों पर मोहक संस्कृत बालगीतों, सुभाषितों और लघु कथाओं के माध्यम से संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया जा रहा है। प्रशिक्षकों में डॉ दीपचन्द राम कश्यप, डॉ चंद्रमाधव सिंह, पृथ्वीराज सिंह, डॉ विनय पाण्डेय, जगदम्बा प्रसाद, सन्दीप मिश्र, राम अचल यादव, चन्दन, गोपाल और आशीष सहित अन्य उपस्थित रहे।

सोमवती अमावस्या पर श्री राधा-कृष्ण मंदिर में हुई विशेष पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग स्थित राधा- कृष्ण मंदिर में वट सावित्री पूजा और सोमवती अमावस्या सोमवार को मनाया गया। इस अवसर पर श्री राधा कृष्ण का अलौकिक भव्य श्रृंगार, विशेष पूजा अर्चना, प्रसाद भोग, भजन संस्था एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। श्री राज श्याम जी को फल, मेवा, चूरमा, पेड़ा का विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे ने लगाया तथा



पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चार साथ पूजा- अर्चना और महाआरती की गई।

मंदिर में उपस्थित कई श्रद्धालुओं ने हाथ जोड़कर परिवार

का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने कई मोहक भजनों की प्रस्तुती दी, जिसमें कर लो सावित्री पूजा जीने का सहारा है और देना हो तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ सहित कई भजनों की प्रस्तुती दी। इस अवसर पर डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पांडिया, पूर्णमल सराफ, सुरेश भगत, सुरेश अग्रवाल, नंदकिशोर चौधरी, पवन पोद्दार, शिव भगवान अग्रवाल सहित कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

आईआईएम रांची के समर प्रोग्राम इन मैनेजमेंट में प्रबंधन कौशल की मिलेगी जानकारी

छह दिवसीय आवासीय शैक्षणिक कार्यक्रम में देशभर से प्रतिभागी हो रहे शामिल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आईआईएम रांची में छह दिवसीय आवासीय समर प्रोग्राम इन मैनेजमेंट की शुरुआत सोमवार को की हुई। समर प्रोग्राम इन मैनेजमेंट को खास तौर पर प्रबंधन शिक्षा को अपना लक्ष्य मानने वाले स्नातक (अंडर ग्रेजुएट) के विद्यार्थी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। छह दिवसीय आवासीय सत्र में शामिल होने के लिए देशभर से प्रतिभागी पहुंचे हैं। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को प्रबंधन शिक्षा और प्रबंधन कौशल की प्रारंभिक स्तर की जानकारी से लेकर उद्योग, प्रशासन और निजी संस्थानों में



प्रबंधन कौशल की उपयोगिता व प्रभावी दृष्टिकोण को विकसित करने की जानकारी दी जायेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यक्रम निदेशक प्रो. राजीव वर्मा, प्रो. कृष्ण कुमार डडसेना, प्रो. जगन कुमार

सुर समेत अन्य प्राध्यापक उपस्थित थे।

प्रो. कृष्ण कुमार डडसेना ने समर प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के कोर्स डिजाइन पर अपनी बातें रखीं। कहा कि प्रोफेशनल करियर में

प्रबंधन शिक्षा (एमबीए) खुद को स्थापित करने में मदद करती है। प्रबंधन शिक्षा व्यक्ति के शैक्षणिक योग्यता के साथ उसके बहुमुखी विकास, खासकर संस्थागत चुनौतियों व नवाचार के क्रम में

सोचने, सकारात्मक समाधान व निष्कर्ष निकालने में सहयोग करती है। प्रो. डडसेना ने कोर्स में शामिल विद्यार्थियों को बताया कि छह दिवसीय शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों को एमबीए की पढ़ाई क्यूं करें, प्रबंधन और प्रशासनिक काम-काज में अंतर, आत्म मूल्यांकन की पद्धतियां, मैनेजमेंट शिक्षा के विभिन्न आयाम के साथ व्यक्तिगत विकास के लिए प्रबंधन कौशल, क्रेट व अन्य प्रवेश परीक्षा के जरिये प्रबंधन शिक्षा के संस्थानों में प्रवेश से लेकर शैक्षणिक यात्रा की जानकारी पर चर्चा की जायेगी। ताकि, विद्यार्थी भविष्य में अपनी प्रखरता को निखार सकें।

प्रो. राजीव ने सत्र में शामिल हो रहे विद्यार्थियों का स्वागत किया। कहा कि प्रोफेशनल लाइफ में व्यक्ति को अपने सोच और मानसिकता के साथ मुखर होने की

जरूरत है। इसके लिए विषय की गंभीरता और विषय संबंधी जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल छात्रों को आईआईएम संस्थानों की शिक्षा प्रणाली व संस्कृति पर विमर्श किया। वहीं, प्रो. जगन कुमार सुर ने छह दिवसीय शैक्षणिक सत्र के विषयों और उनकी भविष्य उपयोगिता पर प्रकाश डाला। समर प्रोग्राम इन मैनेजमेंट का संचालन 26 से 31 मई 2025 तक होगा। इसमें प्रतिभागी के रूप में झारखंड समेत नई दिल्ली, लखनऊ, ओडिशा, उत्तराखंड, चेन्नई, पंजाब समेत अन्य राज्यों से विद्यार्थी पहुंचे हैं।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान विद्यार्थियों को केस स्टडी आधारित शिक्षा व प्रबंधन कौशल के व्यावहारिक और मौलिक सिद्धांतों की जानकारी दी जायेगी।



खबर

एक नजर में

राज्यपाल से नेता प्रतिपक्ष झारखंड विधानसभा बाबूलाल मरांडी ने की सरकार की शिकायत



रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष झारखंड विधानसभा बाबूलाल मरांडी ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य में अधिसूचित नई उत्पाद नीति (मदिरा की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) के संबंध में एक ज्ञापन समर्पित करते हुए अपने सुझाव दिये।

भजन कीर्तन का भव्य अलौकिक समागम

रांची। सोमवार को श्री श्री 1008 नरसिंह बांध बालाजी धाम के द्वारा बरियातु आवासीय कालोनी स्थित रेखा रंगटा एवं भक्त परिवार के तत्वावधान में मंगलमय भजन कीर्तन एवं प्रसाद का भव्य अलौकिक समागम संपन्न हुआ। इस अवसर पर धाम के गुरुवर संतोष भाई की गरिमामय उपस्थिति रही। मंगलमय भजन कीर्तन समागम में बड़ी संख्या में भक्त जनो की उपस्थिति रही और पूरा वातावरण अलौकिक शक्ति से सराबोर रहा।



बिरसा मुंडा फन पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित



रांची। सोमवार को बिरसा मुंडा फन पार्क रिलेशन एवं डांस वांस नृत्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा मुंडा फन पार्क में आयोजित सांस्कृतिक संस्था का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जेल पार्क के संचालक आर्यन चोपड़ा, रिलेशन के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, डांस वांस के निदेशक शिवम मनोहरण ने सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने काली मंदिर में की पूजा-अर्चना



रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने सोमवार को डोरंडा स्थित मनी टोला काली मंदिर में आयोजित भव्य पूजा महोत्सव में शामिल हुए। मौके पर उन्होंने मां काली की पूजा-अर्चना कर मत्था टेका और मां काली से राज्य की सुख-शांति और तरक्की की कामना की। इस अवसर पर उनके साथ पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी सिरिबेला प्रसाद और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी थे। काली मंदिर पहुंचने पर कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे, विनय सिंहा दीपू, समाजसेवी शंभू गुप्ता और मेहुल दुबे ने जगदम्बा ट्रस्ट की ओर से उनका पारंपरिक स्वागत किया। पूजन कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के पुरोहित रामेश्वर पासवान ने पूजन कराया और मां काली की चुनरी और प्रसाद कांग्रेस नेताओं को दिया।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन का निःशुल्क समर कैप शुरु



रांची। मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा की ओर से सोमवार को रांची के अपर बाजार स्थित नारायण मारवाड़ी कन्या पाठशाला में 12 वें निशुल्क पांच दिवसीय समर कैप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के सचिव वेद बागला विद्यालय के मार्गदर्शक प्रभाकर अग्रवाल, मारवाड़ी महिला सम्मेलन की निवर्तमान राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल, रांची शाखा अध्यक्ष मधु सराफ, सचिव उर्मिला पांडिया, और मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सदस्यों और विद्यालय की शिक्षिकाओं ने दीप प्रज्वलित कर एवं गणेश वंदना और सरस्वती वंदना के साथ किया। समर कैप के पहले दिन कक्षा सात-आठ की छात्राओं ने बह-बहकर हिस्सा लिया। बच्चों को ड्राइंग कॉपी, पेंसिल, इरेजर, शार्पनर दिए गये। बच्चों के शारीरिक मानसिक और बौद्धिक सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें उर्मिला पांडिया ने संस्कार, बेबी शर्मा ने योग, रेखा जैन और मुस्कान ने चित्रकला और सुनील किशोर्पा ने जुड़ो कराटे, मीतू विजयवागीय ने नृत्य का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर सभी अतिथि और शिक्षिकाओं को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

युवती ने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर तीन वर्षों तक यौन शोषण करने का लगाया आरोप

रांची। रांची के लांपुग थाना क्षेत्र की रहने वाली 22 वर्षीय आदिवासी युवती ने अपने प्रेमी सुमित कुमार पर शादी का झांसा देकर तीन वर्षों तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने सोमवार को सुखदेव थाना रांची में एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया। उसने बताया कि तीन साल पहले लालपुर स्थित एक बैग की दुकान में काम करने के दौरान उसकी मुलाकात इरगु टोली निवासी सुमित से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर यह प्रेम संबंध में बदल गयी। युवती के अनुसार सुमित ने शादी का वादा किया और लंबे समय तक साथ निभाने की बात कही। लेकिन जब युवती ने विवाह की बात दोहराई, तो सुमित ने धोखा देते हुए किसी अन्य लड़की से शादी कर ली। इस धोखाधड़ी के खिलाफ पीड़िता ने केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिवर्ती से संपर्क किया, जिनके साथ वह सुखदेव थाना पहुंची और लिखित शिकायत दी। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिवर्ती ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आदिवासी लड़कियों को गैर-आदिवासी युवकों से रिश्ते बनाने से पहले सतर्क रहना चाहिए। आज के समय में भावनाओं से ज्यादा विवेक जरूरी है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

भाषाई विवाद

भाषा का ताजा विवाद कर्नाटक में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के एक प्रबंधक के कन्नड़ में बात करने से इनकार करने पर उठा है। जिसका कहना था कि वह हिंदी भाषी है और हिंदी में बातालाप करेगा। इस प्रकरण में अधिकारी का तबादला व खासा विवाद हुआ। स्वाभाविक रूप से क्षेत्रीय भाषा की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल खासे सक्रिय हुए। इस बीच जन सेवा में भाषाई संवेदनशीलता के प्रशिक्षण की मांग भी उठी। वैसे भी केंद्रीय सेवाओं के रूप में काम करने वाले विभागों व बैंक आदि के कर्मचारियों व अधिकारियों के विभिन्न राज्यों में अकसर तबादले होते रहते हैं। यह संभव भी नहीं कि हर व्यक्ति हर राज्य की भाषा बोल सके, लेकिन सीधे तौर पर जन-सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को राज्य की स्थानीय भाषा का ही उपयोग उपभोक्ताओं से सहज संवाद के लिये करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर बेंगलुरु में एक तकनीकी पेशेवर को हिंदी में बोलने के कारण पार्किंग की सुविधा से वंचित कर दिया गया। इस घटना ने गैर हिंदी भाषी इलाकों में भाषायी सहिष्णुता की बहस को नये सिरे से खड़ा किया। निश्चित रूप से दोनों ही घटनाएं भाषाई व सांस्कृतिक एकता के लिये चुनौती पेश करती हैं। जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि ये घटनाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानी एनईपी 2020 के त्रि-भाषा फामूलें की पृष्ठभूमि में हुई हैं। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को तीन भाषाएं सीखने की सलाह दी गई है। जिसमें कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं होनी चाहिए। हालांकि, इस शैक्षिक नीति का मकसद बहुभाषावाद और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है,लेकिन तमिलनाडु में इस नीति का प्रतिरोध सामने आया है। राजनीतिक दल इसे हिंदी थोपने और अपनी भाषाई पहचान के लिये खतरा बता रहे हैं।



मे़ष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवैक्य कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। श्रुतभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
 स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक मंजू सिंह
 द्वारा चिरौंदी, बोड़ैया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक सौरभ कुमार सिंह संपादक अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन:- 8344006
e-mail khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No. JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सकुंलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

अभिव्यक्ति

बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद में हिंदू निशाने पर

फैक्ट फाईंडिंग टीम की रिपोर्ट

बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद और वहां पर बांग्लादेशियों की प्रचुर जनसंख्या के बीच बार-बार हिंदुओं को निशाना बनाने का पैटर्न ठीक वैसा ही है जैसा कि बांग्लादेश में गैर मुसलमानों (हिन्दुओं) के साथ किया जाता है। फैक्ट फाईंडिंग टीम की रिपोर्ट आते ही यह साफ हो गया है कि वक्फ संशोधन अधिनियम की आड़ में मुर्शिदाबाद हिंसा सुनियोजित थी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का प्रशासन हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए जरा भी गंभीर नहीं है। इस टीम ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा और पीड़ितों से बात करने के बाद पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जबकि 17 अप्रैल को, उच्च न्यायालय ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा से विस्थापित हुए लोगों की पहचान और पुनर्वास के लिए उक्त समिति के गठन का आदेश दिया था।

इस रिपोर्ट ने ममता बनर्जी के उस दावे को सिर्रे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुर्शिदाबाद हिंसा के लिए बाहरी तत्व जिम्मेदार हैं। सच्चाई निकलकर सामने आई है कि इस दंगे को हिंदुओं की संख्या में कमी लाने के लिए अंजाम दिया गया था, ताकि बड़ी संख्या में वहां से शेष बचे हिन्दुओं का पलायन हो सके। इसके साथ ही कलकत्ता उच्च न्यायालय की तरफ से गठित फैक्ट फाईंडिंग टीम जिसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के एक सदस्य और न्यायिक सेवाओं के अधिकारी शामिल रहे, अपनी रिपोर्ट में यह भी बताते हैं कि जब हिंदुओं और उनके घरों को उपद्रवी (इस्लामिक हिंसक) निशाना बना रहे थे, तब ममता बनर्जी की पुलिस मुकदशक बनकर यह सब दृश्य देख रही थी। यदि पुलिस ने तत्काल ही सख्त कदम उठाए होते तो मुर्शिदाबाद में घटा, वह नहीं हो पाता। हिन्दू समाज को बड़ी संख्या में वहां से पलायन के लिए मजबूर भी नहीं होना पड़ता।

वस्तुतः इस रिपोर्ट में स्थानीय नेताओं और पुलिस की भूमिका पर आज गंभीर सवाल उठाए हैं। कहा गया है कि उपद्रवियों ने अपने चेहरे ढंक कर रखे थे, ताकि कोई उन्हें पहचान नहीं पाए। यहां स्थािति यह रही है कि बेतबोना गांव में उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाते हुए 113 घरों को आग लगा दी थी, जिसमें कि उनका सब कुछ जल गया।

योगेंद्र योगी

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकार को गिराने की कोशिशों से नाराज होकर कांग्रेस के बागियों को काले नाग और बिकाऊ करार दिया था और अपने चुनावी अभियान के दौरान भी बिकाऊ बनाम टिकाऊ के नारे का इस्तेमाल किया था।
मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने भारत की जांबाज सेना की अफसर और जज्बे से देश की आईकोन बनी कर्नल सोफिया के बारे अनर्गल टिप्पणी करके कई सवालों को जन्म दिया है।
ऐसा नहीं है कि मंत्री विजय शाह ऐसा कृत्य करने वाले अकेले नेता हैं, जिनकी वजह से देश का नीचा देखना पड़ा है। ऐसा करने वाले नेता की लंबी फेहरिस्त है, जिनके बिगड़े बोल से देश और समाज का सीर्हाद प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर प्रभावित हुआ है। मध्यप्रदेश के इस मंत्री को बेशक सजा मिल जाए, इसके बाद भी बड़ा सवाल यही है कि आखिर वह

नियम पालन ना करने की आदत हमें कहां ले जायेगी?

का सकेत ऑन कर दिया।अभी जहाज भुवनेश्वर से उड़ा ही था व पेटी बाँधे रहने का सकेत ऑन ही था कि एक यात्री ने अपनी सीट की पेटी खोल दी और सीट से उठने लगा । तुरंत एयर होस्टेस ने माइक पर घोषणा की कि अपने स्थान पर अभी बैठे रहें और सीट बेल्ट भी बांध लें । पर वह यात्री नहीं माना । विमान में यह घोषणा बार बार की गई पर वह यात्री नहीं माना। शायद वो अपनी सीट बदलना चाह रहा था । आखिरकार एयर होस्टेस को अपनी सीट से उठकर उसके पास जाकर उसे तेज शब्दों में समझाना पड़ा कि अभी आप ऐसा नहीं कर सकते हैं; सिर्फ़ कुछ मिनट और प्रतीक्षा कर लें । पर वह यात्री तुरंत फिर भी नहीं माना और बहुत देर तक एयर होस्टेस से बहस करता रहा।
हम भारतीय नियमों को पालन करने में इतनी कोताही क्यों करते हैं ? क्यों हम किसी भी नियम को जल्दी स्वीकार नहीं करते हैं? क्यों नियम

बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद में हिंदू निशाने पर



निकृष्टता की हद यह है कि पानी की आपूर्ति रोक दी गई ताकि वे आग न बुझा सकें। ये हिंसक उपद्रवी यही नहीं रुके, इन्होंने योजना से मंदिरों को भी निशाना बनाया । इसमें बताया गया है कि प्रशासन की तरफ से हिंसाग्रस्त इलाकों में किसी भी व्यक्ति की

ममता अपने शासन को हिंसा के विरोध में सख्त कदम उठाने के स्थान पर उल्टा यहां भाजपा और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाने की हद तक जाती दिखाई । जिससे साफ दिखाई देता है कि राष्ट्रीय एकात के साथ खिलवाड़ जैसे इस सरकार को रोज का काम बन गया।
--

मदद नहीं की गई और न ही इस हिंसा में सलित आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई। जिस तरह से हिंसा हुई , उससे यह साफ है कि यह सुनियोजित थी और जिसे पूरे व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया गया। यहां जिस पर आरोप लगा है वह नगर पालिका का पूर्व अध्यक्ष, पार्षद मेहबूब आलम है जिसने कि 11 अप्रैल 2025 को धुलियान में हिंसा करवाया। हिंसा में टीएमसी नेता और विधायक का भी नाम आया है। दूसरी ओर तत्कालीन घटनाक्रम में ममता सरकार की चुप्पी वास्तव में यह बताती है कि उन्हें अपने राज्य के 65 प्रतिशत हिन्दू समाज की कोई चिंता नहीं। वोट बैंक की चिंता सबसे ज्यादा है। यहां 30 प्रतिशत मुसलमान हैं। जो कि आज देश की दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्यावाला समाज है। क्योंकि यहां जिस तरह से पिता-पुत्र हरगोबिंदो दास (72) और चंदन दास

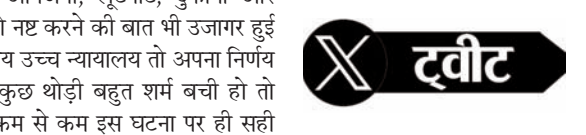
है कि 'बदमाशों ने घर के सभी कपड़ों तक को मिट्टी के तेल से जला दिया और घर की महिला के पास तन ढकने के लिए कपड़े तक नहीं छोड़े । रिपोर्ट यह भी बताती है कि जिस पिता-पुत्र की सामूहिक इस्लामिक हिंसक भीड़ हत्या करती है, उससे पहले वह घर का मुख्य दरवाजा तोड़ती है और इन दोनों को बाहर निकालकर इन पर कुल्हाड़ी से वार किए जाते हैं, एक आदमी वहां तब तक डटा रहा जब तक कि दोनों मर नहीं गए। वास्तव में यह हिंसा की पराकाष्ठा है। यह हिन्दू माँब लिचिंग है।

ममता अपने शासन को हिंसा के विरोध में सख्त कदम उठाने के स्थान पर उल्टा यहां भाजपा और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाने की हद तक जाती दिखाई। जिससे साफ दिखाई देता है कि राष्ट्रीय एकात के साथ खिलवाड़ जैसे इस सरकार को रोज का काम बन गया

समस्या
सुरजेवाला ने भाजपा की मथुरा से सांसद के हमा मालिनी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग की तरफ से कार्रवाई भी की गयी, किन्तु कांग्रेस ने सुरजेवाला के खिलाफ महिलाओं की मर्यादा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से एफ्टेस कंगना रनौत को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की। इसके जवाब में कंगना ने कहा कि हर महिला गरिमा की हकदार है। हालांकि, विवाद बढ़? पर सुप्रिया श्रीनेत के अकाउंट से पोस्ट डिलीट कर दी। चुनाव आयोग की तरफ से उन्हें नोटिस दिया गया था। कंगना रनौत भी नाम लेकर निजी टिप्पणी करने में पीछे नहीं रहें। कंगना ने राहुल गांधी और मंडी सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह को क्रमशः 'बड़ा पप्पू और 'छोटा पप्पू कहा। उन्होंने अपने

है। आप देख सकते हैं संदेशखाली, मेडिकल कॉलेज मामला, बशीरहाट और दर्जनों अन्य हॉट स्पॉट यहां की अराजकता की कहानी कह रहे हैं। मुर्शिदाबाद, मालदा, हुगली और गार्थ 24 परगना जैसे जिलों में हिंदू समुदाय के घरों पर हमले, आगजनी, लूटपाट और हत्या की घटनाएं यहां इस दौरान होती हैं। कुल मिलाकर सांप्रदायिकता और तुष्टिकरण की पराकाष्ठा तक आज ममता सरकार पहुंचती हुई इस राज्य में दिखाई दे रही है।

इस सब के बीच विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने जो कहा, वह सभी के लिए विचारणीय है, वे आज कह रहे हैं कि ममता दीदी की पांच सदस्य टीम बंगाल से जम्मू कश्मीर को जाएंगी लेकिन, मुर्शिदाबाद की याद नहीं आएगी। दीदी को मुर्शिदाबाद छोड़ जम्मू-कश्मीर में तबाह हुए आतंकी ठिकानों की चिंता है!! अच्छा होता इस टीम को आप पहले मुर्शिदाबाद भेजतीं जहां आपके टीएमसी के नेता के इशारे पर हिंदुओं का नरसंहार और पलायन हुआ । वे ममता पर तंज भी करते हैं कि माननीय उच्च न्यायालय की जांच समिति की वह वीभत्स रिपोर्ट को एक बार पढ़ लेती तो अच्छा होता । जहां जिहादी हिंसा के दौरान आपनी पुलिस निष्क्रिय और अनुपस्थित थी। इस रिपोर्ट में अंधाधुंध आगजनी, लूटपाट, दुकानों और बाजार को नष्ट करने की बात भी उजागर हुई है। माननीय उच्च न्यायालय तो अपना निर्णय देगा ही, कुछ थोड़ी बहुत शर्म बची हो तो अब तो कम से कम इस घटना पर ही सही ममता जी को माफ़ी मांग कर पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना की दिशा में आगे आ जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल को लेकर वास्तव में आज यह भी प्रश्न उठता है कि चाहे सीएए हो, एनआरसी हो, हनुमान जयन्ती हो, दुर्गापूजा हो, रामतत्वमी हो, या अब वक्फ संशोधन- हर बार एक विशेष समुदाय (मुस्लिम) हिंसक होकर हिन्दुओं को ही टारगेट क्यों करता है? यह कौन सी जिहादी मासिकता है, जो इस तरह का कृत्य उनसे करवाती है? यह सिर्फ़ राजनीति के लिए नहीं हो रहा, जैसा कि कई मीडिया संस्थानों, तमाम एनजीओ एवं राजनीतिक संगठनों के द्वारा बताए जाने का प्रयास होता है। सीधे देखने और समझने पर हकीकत यहां की जो समझ आती है, वह यही है कि इस राज्य में रहनेवाली बहुसंख्यक हिन्दू जनता की संस्कृति और मूल समाज को ही नष्ट कर देने के लिए लगातार शृंखलाबद्ध हिंसा को एक विशेष वर्ग समय-समय पर अंजाम दे रहा है।



26 मई यानि आज ही के दिन 2014 में पहली बार मैंने गुजरात सहित देश के कोटि-कोटि जनों के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इन वर्षों में देश ने जो फैसले लिए हैं, जो अकल्पनीय और अभूतपूर्व हैं। - **नरेन्द्र मोदी, पीएम**

15 साल भाजपा ने झारखंड में सरकार चलाई, पर युवाओं और छात्रों के लिए कुछ नहीं किया। स्कूल-हॉस्टल गिरते थे, छात्र पढ़ाई छोड़ते थे।

आज सीएम एक्सीलेंस स्कूल, हॉस्टल, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, सावित्रीबाई फुले योजना, मरांग गोमके स्कॉलरशिप! हर योजना युवाओं को संबल दे रही है।

- **हेमंत सोरेन, सीएम**

नेताओं के बिगड़े बोल के लिए राजनीतिक दल ही जिम्मेदार

कौनसी वजह है कि नेताओं की जुबान काबू में नहीं रहती। सवाल यह भी है कि वैमनस्य का जहर घोलने वाले ऐसे नेताओं के मामले में कानूनी कार्रवाई का इंतजार क्यों किया जाता है। राजनीतिक दल आगे बढ़ कर कार्रवाई की नज़ीर पेश क्यों नहीं करते। यदि राजनीतिक दलों ने नेताओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा खींची होती और उसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई निर्धारित कर रखी होती तो ऐसी नौबत नहीं आती।

दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों की शह ही ऐसे नेताओं के बिगड़े बोलों के लिए जिम्मेदार है। इनकी अनदेखी करने से नेताओं में प्रलाप करने की प्रवृति बढ़ती जा रही है। विगत चुनावों में यदि नेताओं पर दलों ने लगाम कसी होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान कई बार भाषायी मर्यादा टूटती दिख रही, किन्तु किसी भी पार्टी ने इस पर चिंता नहीं जताई और नेताओं को ब्यान में रहने की हिदायतें नहीं दी। कांग्रेस के नेता रणदीप

चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके पिता मोतीलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी सहित गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बनाया और कांग्रेस को 'एक बीमारी और अजीबों द्वारा छोड़ी गई दीमक करार दिया, जो उनके मुताबिक 2014 तक देश को खा रही थी। हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा ने रनौत को परी करार देते हुए कहा है कि लोग केवल उन्हें देखने आते हैं। प्रतिभा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए किंगना की मां आशा रनौत ने कहा था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता ये हुस्न परी है, और ये क्या चीज है जैसी टिप्पणियां कर रही हैं और यह भूल गई हैं कि उनके घर में भी बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि एक मां होने के नाते मुझे दुख होता है और मुझे लगता है कि ऐसी टिप्पणियों से अन्य माएं भी दुखी हो रही हैं।

बिहार भाजपा के प्रमुख सम्राट चौधरी के बयान पर काफी विवाद देखने को मिला था। सम्राट चौधरी ने कहा था कि

राजधानी रांची के प्रसिद्ध मोराहाबादी मैदान के मंच का आवरण गिरा दिया गया। यह रघुवर दास के काल में निर्मित था। फोटो: अजय सानी
कार्टून वर्ल्ड



स्पीड न्यूज

कुजू में महिलाएं हुयीं सम्मानित

कुजु। नेहरू पार्क में सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय महिला सेना व अधिकारियों की भूमिका के लिए महिला सम्मान समारोह किया। समारोह में केंद्रीय अध्यक्ष निर्गुन महतो, क्षेत्रीय अध्यक्ष दीपक कुमार, क्षेत्रीय सचिव रतन प्रसाद साहू, प्रभारी जेपी झा शामिल हुए। संघ ने महिलाओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। क्षेत्रीय सचिव रतन प्रसाद साहू ने कहा कि विश्व में महिलाएं सभी के बराबर है। आज सेना में महिला अधिकारियों के द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मारने के साथ उनके ठिकानों को ध्वस्त किया जो काफी सराहनीय है। इधर बाद में आरा शाखा समिति को भंग कर पुनः कमिटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष दशाराम मुर्मू, उपाध्यक्ष सिमोन पीटर, कृष्णा मुर्मू, सुमित्रा देवी, सचिव गोविंद कुमार महतो, सह सचिव राजू राम, संजय भुईया, संयुक्त सचिव जागेश्वर मुंडा के अलावे कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भुईयां, कोषाध्यक्ष विकास रवि, संगठन मंत्री रामकिशुन मांझी उपस्थित थे।

जतराटांड में पीसीसी पथ का शिलान्यास

कुजु। करमा उतरी पंचायत के जतराटांड में सोमवार को पीसीसी पथ और गार्डवाल निर्माण कार्य का मांडू विधायक निर्मल महतो और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के प्रतिनिधि अरविंद कुमार ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया। इस दौरान विधायक और सांसद प्रतिनिधि ने विधिवत पूजार्चना और नारियल फोड़कर कर निर्माण कार्य शुभारंभ कारया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि अरविंद कुमार ने बताया कि करमा उतरी पंचायत अंतर्गत ग्राम जतराटांड में डीएमएफटी फंड से पांच सौ मीटर जो करीब 90 लाख की लागत से मानकी मुंडा के घर से लेकर रामलाल साव के घर होते हुए सिकन्दर मुंडा के घर तक पीसीसी निर्माण किया जाना है। इस अवसर पर तपेश्वर महतो, दयाल महतो, अशोक महतो, संजय कुमार समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

डीसी से मिलीं सत्यवंती देवी

भुरकुंडा (रामगढ़)। ग्राम पंचायत बुध बाजार दोतल्ला की मुखिया सत्यवंती देवी ने सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ से मुलाकात कर एक अहम मांग रखी। उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि उनके पंचायत क्षेत्र में (डीएमएफटी हद से दुंदुवा से शिव नगर, बीटीटीआई होते हुए इमलीगछ छट घाट तक सड़क निर्माण कार्य चल रहा था, जिसे कुछ लोगों ने बेबुनियाद आरोप लगाकर बंद करवा दिया है। मुखिया ने कहा कि आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य प्राककलन के विरुद्ध हो रहा है, जो पूरी तरह भ्रामक और निजी स्वार्थ से प्रेरित है।

कुजु : स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

कुजु। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन तोपा शाखा के द्वारा सोमवार को तोपा परियोजना पदाधिकारी एमके सिंह साथ परिचय बैठक किया। इस दौरान यूनियन के लोगों ने परियोजना पदाधिकारी को बूके देकर स्वागत किया। वही लोगों ने परियोजना पदाधिकारी से अपने क्षेत्र के समस्या से अवगत करया। जिसमें तोपा में चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर चौक-चौराहों व सन्नाटा रास्तों पर स्ट्रीट लाइट लगाने, रात्रि गश्ति बढ़ाने के साथ पुलिस के साथ मिलकर पेट्रोलिंग करने आदि समस्याओं से अवगत करया। जिस पर पीओ ने पहल करने का भरोसा दिलाया। मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष बोधन मांझी, क्षेत्रीय सचिव राम सिंह, शाखा अध्यक्ष सुरेंद्र दुइ, सचिव मांगू मांझी, उपाध्यक्ष चंदन कपूर, लालदेव महतो, संरक्षण रामनाथ महतो, मो यासीन के अलावे सुरेशचंद पटेल, वासुदेव गंडू, अभय सिंह, सुरेश करमाली शामिल थे।

विष्णुगढ़ में सात वारंटी गिरफ्तार
विष्णुगढ़। समकालीन अभियान के तहत विष्णुगढ़ पुलिस ने विष्णुगढ़ थाना के विभिन्न कांडों के फरार 7 वारंटी जिसमें शिबू रविदास पिता नागो रविदास नागो रविदास पिता जुल्मी रविदास। दिनवा मुर्मू पिता अकल मांझी साकिन चलकारी। साकीना पिता मर कुं राय साकिन वानो रवि कुमार तुरी पिता रामचंद्रतुरी शाकिन फारा चाँव भागीरथ महतो पिता ननकू महतो मड़मो लक्ष्मण कुमार पिता स्वर्गीय केशवर साह अस्पताल चौक विष्णुगढ़ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया ।

कुजु में 5 फरार आरोपी गिरफ्तार

कुजु। कुजु पुलिस ने विभिन्न कांडों के पांच फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। इस दौरान पुलिस ने तीरथ करमाली, नागेश्वर करमाली, विनय प्रसाद चौधरी, अखिलेश्वर चौधरीए कारू सिंह उर्फ अशोक सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मौके पर ओपी प्रभारी आशुतोष सिंह के अलावे अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

हजारीबाग में मना वट सावित्री व्रत

हजारीबाग। हजारीबाग में सोमवार को वट सावित्री व्रत उल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और पारिवारिक सुख-शांति की कामना करते हुए वट वृक्ष की पूजा की और सावित्री-सत्यवान की अमर पत्र गाथा को स्मरण किया। शहर के काली मंदिर परिसर, पंचवटी, विनोबा नगर, इचाक रोड, नाथ बाबा मंदिर, मटवारी गाँधी मैदान समेत कई जगहों पर वट वृक्ष के नीचे सुहागिनों की भीड़ उमड़ी रही।

चौपारण में शराब माफियाओं की चांदी

भदान में अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

सुर्गी फार्म और एक घर से करीब 270 लीटर विदेशी शराब बरामद

कुमार, सत्यद बेसिरूदीन, साधू चरण हेमब्रोम, अनुप कुमार सिंह, एंटोनी बागे एवं सशस्त्र गृह रक्षक दल शामिल थे।

चौकाने वाली बात यह है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चौपारण के विभिन्न हिस्सों में अवैध शराब फैक्ट्रियों का उद्देदन हो चुका है। हर बार नए तरीके, नए अड्डे और नई फैक्ट्रियों सामने आ रही हैं, जिससे साफ है कि यह कारोबार सुनियोजित



और संगठित तरीके से चल रहा है। प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद जब यह अवैध धंधा थमने का नाम नहीं

ले रहा, तो जनता अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की चुप्पी पर सवाल उठाने लगी है। लोगों

विस्थापन का दर्द समझे पीवीयूएनएल

छाई डैम के विस्थापित समझौता करके हल निकालेंगे : जायसवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल), पतरातु और इस प्लांट के छाई डैम से संबंधित विस्थापित/ प्रभावित गांवों के ग्रामीणों और जिला प्रशासन की हुयी बैठक। बैठक में सांसद मनीष जायसवाल, विधायक रोशन लाल चौधरी और उपायुक्त चंदन कुमार उपस्थित थे। तीनों पक्षों के लोगों के बीच घंटों बातों हुईं और कंपनी एवं विस्थापितों के बीच समन्वय स्थापित कर दोनों के राजामंदी से प्लांट संचालन किए जाने पर विचार- विमर्श का प्रयास किया गया ताकि विस्थापित ग्रामीणों को भूमि मुआवजा, रोजगार सहित उनका वाजिब हक मिले लेकिन इस बैठक में निस्कर्ष नहीं हो सका। कंपनी और विस्थापित दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति और निर्णय लेने का आग्रह किया गया है। कंपनी से रोजगार के लिए लिखित रूप से ग्रामीणों को आश्वासन देने और ग्रामीणों को भी अपने उचित हक के लिए अपने लड़ाई को अपने अनुरूप जारी रखने की बात कही गई। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि एक विवाद पीवीयूएनएल



और ग्रामीणों के बीच का है जिसपर हमलोग मध्यस्थता करके इस विवाद का हल निकालना चाहते हैं। इस दिशा में हमलोग दो कदम आगे चले हैं और उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष कंपनी और विस्थापित समझौता करके इसका पूर्णतः हल निकालेंगे। विस्थापन के दर्द को समझने की जरूरत है। जिला प्रशासन और पीवीयूएनएल दोनों को समझना होगा कि विस्थापन बहुत बड़ा दर्द है और उस दर्द के घाव को कुरेदकर राष्ट्र का विकास नहीं कर हो सकेगा, उस घाव पर मरहम लगा करके ही आप विकास की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। हम लोग वही कार्य करने को अपने अनुरूप जारी रखने की बात कही गई। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि एक विवाद पीवीयूएनएल

साथ ही प्लांट भी चले। हमलोग प्लांट को चलाने या बंद कराने के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं हैं, हमलोग का मकसद है दोनों पक्ष राजीखुशी से इस प्लांट को चलाए और विस्थापित प्रभावित ग्रामीण जन भी खुश रहें ऐसा वातावरण स्थापित हो। बैठक में एसपी रामगढ़ अजय कुमार,अपर अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग तिवारी, एसडीओ गौरव तिवारी, रामगढ़ जिला सांसद सत्यस राजाराम प्रजापति, मुखिया किशोर कुमार महतो, विस्थापित मोर्चा के आदित्य नारायण प्रसाद, कुमेल उरांव, राजा राम प्रसाद, खुशबू देवी, योगेंद्र यादव, झरी मुंडा, अनुज

जरगा गांव में सड़क पर कब्जे के खिलाफ आक्रोश

खबर मन्त्र संवाददाता

दारू। पुनाई पंचायत के जरगा गांव में मुख्य सड़क पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। गांव के सौ से अधिक महिला-पुरुष दारू अंचल कार्यालय पहुंचे और अंचलाधिकारी रामकुमार बाबल को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने मांग की कि गांव के मुख्य पथ को तत्काल अतिक्रमणमुक्त किया जाए ताकि आवागमन सुगम हो सके। ग्रामीणों ने बताया कि गांव का मुख्य पथ खाता संख्या 59, प्लॉट संख्या 2107 में स्थित है, जो आम गैरमजरूआ जमीन है। यह सड़क अलख किशोर के घर से जगलाल महतो के घर तक जाती है और इसकी वास्तविक चौड़ाई 35 फीट है। लेकिन गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों- दिनेश्वर महतो, रविंद्र प्रसाद, कैला महतो, काशी प्रसाद और अशोक प्रसाद ने रास्ते की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। अतिक्रमण के कारण रास्ता अब केवल 8 से 9 फीट ही बच गया है, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में भारी कठिनाई हो रही

सौ से अधिक ग्रामीणों ने सीओ को सौंपा ज्ञापन



है। इस पथ पर फिलहाल आरईओ विभाग द्वारा कालीकरण और मरमत का कार्य किया जा रहा है, जो अतिक्रमण के चलते बाधित है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में सीआई और अमीन द्वारा रास्ते की मापी अतिक्रमण अभी तक नहीं हटा है। इस पर सीओ ने आश्वासन दिया कि अतिक्रमण की जांच कर अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजा जाएगा और जल्द रास्ता खाली कराया जाएगा।

बरही में नाबालिग चला रहा है बालू लदा ट्रैक्टर

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। बरही अनुमंडल में सड़कों पर इन दिनों बालू लदे ट्रैक्टर बेतरतीब तरीके से दौड़ते नजर आ रहे हैं। स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब इन ट्रैक्टरों को नाबालिग चालक तेज रफ्तार में, हेडफोन कान में लगाकर सड़कों पर दौड़ाते हैं। न गति पर नियंत्रण, न ब्रेकिंग का ध्यान, ये नाबालिग चालक मानो हादसे को न्योता दे रहे हों। गौरतलब है कि जिन मार्गों से ये ट्रैक्टर गुजरते हैं, उनके दोनों ओर ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर स्थानीय राहगीर तक हर समय सड़क पर मौजूद रहते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार ट्रैक्टर से दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये नाबालिग चालक बिना ड्राइविंग लाइसेंस के खुलेआम ट्रैक्टर चला रहे हैं, और कोई भी जिम्मेदार



अधिकारी इस पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। साथ ही ट्रैक्टरों की फिटनेस और ओवरलोडिंग की भी जांच नहीं की जा रही है, जो कि गंभीर लापरवाही की दशातों है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बालू ढुलाई में लगे ट्रैक्टरों की नियमित जांच की जाए और नाबालिग चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

का कहना है कि जब गांव-गांव में शराब फैक्ट्रियां चल रही हैं, तो नेताओ की जिम्मेदारी क्या है? क्या जनहित और सामाजिक दायित्व केवल भाषणों तक सीमित हैं इस गोरखधंधे में कुछ संफेदपोशों की मिलीभगत व बड़े नेताओं को गुमराह किए जाने की बात सामने आ रही है।

सकार की नीति पर सवाल : जब सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में वैध शराब दुकानें खोलने की योजना बना रही है, तब चौपारण जैसे इलाकों में पहले से संचालित अवैध फैक्ट्रियों सरकार की प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर सवाल खड़ा करती हैं। क्या सरकार

चाहिए? लगातार सामने आ रही घटनाओं से स्पष्ट हो गया है कि शराब माफिया को रोकने के लिए मौजूदा उपाय नाकाफी हैं। जनता प्रशासन से सिर्फ तुरंत कार्रवाई नहीं, बल्कि एक स्थायी, संगठित और कठोर रणनीति की मांग कर रही है, ताकि इस समाजविरोधी कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार केवल एक कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चेतना की परीक्षा भी है। अब समय आ गया है जब प्रशासन, जनप्रतिनिधि और समाज मिलकर इस चुनौती से लड़ें, वरना आने वाले समय में यह समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है।

🌍	एक	नजर में
पंचायत समिति सदस्य पर जानलेवा हमला करंडारी। करंडारी प्रखंड के पेठो पंचायत अंतर्गत लवानिया मोड़ पर सोमवार सुबह करीब 10 बजे पंचायत समिति सदस्य अरविंद साव पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमला उनके सोतेले भाई के बेटे शिव शंकर साव ने किया, जिससे अरविंद साव गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले करेडारी सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख रांची रेफर कर दिया गया। घटना उस वक्त हुई जब अरविंद साव के भाई अरुण साव और बंदी साव का बेटा शिव शंकर आपस में किसी बात को लेकर उलझे हुए थे। तभी अरविंद साव वहां पहुंचे और विवाद को सुलझाने की कोशिश की। लेकिन मामला और बिगड़ गया और चाकू लेकर आए शिव शंकर ने अरविंद साव पर हमला कर दिया। उसने अरविंद साव के गले के नीचे और पेट में चाकू से वार किए। घायल अरविंद साव ने किसी तरह शिव शंकर को पकड़ लिया। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और लोगों ने शिव शंकर की जमकर पिटाई कर दी। शिव शंकर भी गंभीर रूप से घायल हो गया, प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर और जांच कर रही है।		
चौपारण में रथयात्रा महोत्सव 27 जून को हजारीबाग। हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड स्थित सियरकोनी मंदिर परिसर में रविवार देर शाम तीसरे श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव को लेकर एक बैठक हुई। बैठक में चौपारण के साथ-साथ इटखोरी, मयूरहंड, बरही, पदमा आदि क्षेत्रों से श्रद्धालु और समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता समाजसेवी हरिश्चंद्र सिंह ने की। उन्होंने रथयात्रा में सामूहिक भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि जो श्रद्धालु पूरी स्थित जगन्नाथ धाम नहीं जा पाते, उनके लिए भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का नगर भ्रमण एक दुर्लभ अवसर है। इस बार भी रथयात्रा ऐतिहासिक होगी। संजय सिंह और अभिषेक सिंह ने बताया कि रथयात्रा 27 जून को दो दिवसीय आयोजन के रूप में होगी। यात्रा वैथी मोड़ से शुरू होकर मौसी बाड़ी बिगहा बाजार तक जाएगी। दूसरे दिन भगवान के विश्राम के बाद घूमती रथयात्रा निकाली जाएगी। बैठक में मंदिर प्रबंधन समिति, पंचायत प्रतिनिधियों और विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।		

महोत्सव को लेकर एक बैठक हुई। बैठक में चौपारण के साथ-साथ इटखोरी, मयूरहंड, बरही, पदमा आदि क्षेत्रों से श्रद्धालु और समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता समाजसेवी हरिश्चंद्र सिंह ने की। उन्होंने रथयात्रा में सामूहिक भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि जो श्रद्धालु पूरी स्थित जगन्नाथ धाम नहीं जा पाते, उनके लिए भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का नगर भ्रमण एक दुर्लभ अवसर है। इस बार भी रथयात्रा ऐतिहासिक होगी। संजय सिंह और अभिषेक सिंह ने बताया कि रथयात्रा 27 जून को दो दिवसीय आयोजन के रूप में होगी। यात्रा वैथी मोड़ से शुरू होकर मौसी बाड़ी बिगहा बाजार तक जाएगी। दूसरे दिन भगवान के विश्राम के बाद घूमती रथयात्रा निकाली जाएगी। बैठक में मंदिर प्रबंधन समिति, पंचायत प्रतिनिधियों और विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पौधरोपण

विष्णुगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विष्णुगढ़ परिसर में दौलत महतो मेमोरियल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के एनएसएस ने पौधरोपण किया। प्रभारी वित्किसा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार चतुर्वेदी उपस्थित थे। डॉ. अरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षु शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण सिर्फ सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से ही एक हरित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से पेड़ों के मूलवत् को समझते हुए पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। शिक्षकों में प्रमुख रूप से बबली कुमारी, डॉ. ओमकार नाथ शर्मा, अशोक कुमार झा, शशिभूषण देव, प्रवीण जायसवाल, विपिन कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

बरकट्टा : सात मवेशी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बरकट्टा। गोरहर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पशु तस्करी के मामले का खुलासा किया। पिकअप में 7 पशुओं को लाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों सन्नी कुमार, निवासी मंगूरा (सिअरुआ), जिला भोजपुर (बिहार)। राजेन्द्र सिंह नवासी बभनी (ईटावा), जिला –रोहतास (बिहार)।

बड़कागांव में गरीब बेटियों को मिला लहंगा

बड़कागांव। सांसद मनीष जायसवाल द्वारा लोकसभा क्षेत्र के गरीब बेटियों के बीच लहंगा वितरण कार्यक्रम के तहत सैकड़ों लोगों के बीच बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव, पतरातु प्रखंड के विभिन्न गांव में हजारीबाग लोकसभा प्रतिनिधि सतेंद्र नारायण सिंह एवम बड़कागांव सांसद प्रतिनिधि पूनम साव के निर्देशन में किया गया। बड़कागांव व उरीमारी मंडल के दर्जनों गांव में घर-घर जाकर लहंगा उपलब्ध कराया गया। सोमवार को बड़कागांव प्रखंड के बड़कागांव निवासी आनंद सोनी की पुत्री जुली कुमारी, लंगातु निवासी सुरेंद्र ओझा की पुत्री सिंपी कुमारी, सीकरी ग्राम निवासी मकू महतो की पुत्री प्रीती कुमारी एवं चांडिल महतो की पुत्री सधना कुमारी तथा सांढ गांव निवासी मसो मुनिता की पुत्री बेबी कुमारी को लहंगा देकर शुभकामनाएं दी गई। मौके पर विधानसभा सह प्रतिनिधि कृष्णा राम , विधानसभा मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मंडल प्रतिनिधि रंजीत कुमार, मुखिया प्रभु महतो,मेवालाल नाग,संजय कुमार आदि मौजूद थे।

फरार आरोपी पंचम सोनी गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ शहर में एक चोर पिछले 14 वर्षों से फरार था। शहर के न्यू बगीचा निवासी पंचम सोनी, पिता जागेश्वर सोनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेजा है। रामगढ़ थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचम सोनी के खिलाफ वर्ष 2011 में वारंट जारी हुआ था। तब से पुलिस से छुप कर रह रहा था। जैसे ही उन्हें खबर मिली कि वह रामगढ़ शहर में अपने घर में छुप कर रह रहा है, तत्काल छापेमारी की गई और उसे गिरफ्तार किया गया। पंचम सोनी पेशेवर चोर है और उस पर कई मामले पहले भी दर्ज हैं।



भारतीय नृत्य संस्कृति की संसार ने हमेशा सराहना की

ऑ. रमेश ठाकुर

नृत्य दुनिया भर की संस्कृतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नृत्य एक कला भी है और शिक्षा भी। मानव शरीर को स्वस्थ रखने की साधना भी। आज ह्यअंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवसहह है जिसकी शुरुआत 29 अप्रैल 1982 से हुई थी। आज का ये खास दिन नृत्य कला के महान सुधारक जीन-जॉर्जस नोवरे की जन्म स्मृति पर आधारित है। जहां तक भारतीय नृत्यों की बात है, दुनिया भर में हमेशा से मशहूर रहे हैं। भरतनाट्यम और कथक नृत्य का आज भी कोई जवाब नहीं। इंग्लैंड की महारानी हों, या पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो से लेकर कई देशों के प्रमुखों का पसंदीदा कथक नृत्य ही रहा। कथक नृत्य की वेशभूषा आज भी लोगों को आकर्षित करती है। आज का ये विशेष दिन यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय थिएटर इंस्टीट्यूट की अंतरराष्ट्रीय डॉस कमेटी ने 29 अप्रैल को नृत्य दिवस के रूप में सर्वसम्मति से मनाने का निर्णय लिया था। वर्ष-2023 में ह्यअंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवसहह की थीम हहनृत्य-दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीकाहह थी।

भारत में नृत्य कला हजारों साल पुरानी है। हमारे यहां नृत्य की एक नहीं, कई विधाएं हैं जिनमें कथकली, मोहिनीअट्टम, आडिसी, कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुडी व मणिपुरी प्रमुख हैं। इनके अलावा प्रदेश स्तरों पर भी किस्म-किस्म के नृत्य मौजूद हैं। इसके अलावा आधुनिक समय में नृत्य के रंग रूप और प्रारूप एकदम बदल चुके हैं, जिसके उदाहरण टीवी पर आयोजित होने वाले डॉस प्रतियोगिताएं हैं। जहां नृत्य का लेबल देखकर प्रतीत होता है कि पारंपरिक नृत्य विधाएं बहुत पीछे छूट गई हैं। इस दिवस के मकसद की जहां तक बात है, तो वैश्विक स्तर पर इसके



महत्व के बारे में लोगों को जागरूकता करना, भागदौड़ भरी लाइव में नृत्य को शामिल करने की लालक पैदा करना, विभिन्न संस्कृतियों में नृत्य की भूमिका को दर्शाना और विशेष रूप से नृत्य कला

के प्रति प्रशंसा व्यक्त करने के लिए महत्वपूर्ण क्षणों का प्रचार-प्रसार करना। ये दिवस करीब 200 देशों में आज मनाया जा रहा है। जहां, नृत्य प्रदर्शन, कार्यशालाएं, और शैक्षिक कार्यक्रम

आयोजित हो रहे हैं।

भारतीय नृत्यों को लेकर कई देशों ने रिसर्च किया। कुछ मत ऐसे भी हैं कि नृत्य का जन्म भारत से ही हुआ। जो प्राचीन मान्यताओं में भी बताई जाती हैं। करीब 2000 वर्ष पूर्व त्रेतायुग में देवताओं के अनुरोध पर भगवान ब्रह्मा ने नृत्य वेद तैयार किया था। तभी से दुनिया भर में नृत्य की उत्पत्ति हुई। भारत के लिए नृत्य सिर्फ कला ही नहीं, एक परंपरा, संस्कृति और धरोहर भी है। तभी भारत की तमाम रंगमंच संस्थाएं और नृत्य समितियां नृत्य दिवस को खास अंदाज से मनाती है। आज के दिन महान कलाकारों को सम्मान दिया जाता है और उनके योगदान पर विमर्श होता है।

नृत्य के चिकित्सीय लाभ भी बहुतेरे हैं। डॉस करने से फैट बहुत तेजी से घटता है। मात्र 30 मिनट के डॉस में 150 कैलोरी तक फैट बर्न होता है। डॉस से बेन एक्टिव रहता है। चिकित्सक कार्डियोवैस्कुलर बीमारी के मरीजों को डॉस करना जरूरी बताते हैं। एक्सरसाइज से कहीं बेहतर डॉस को बताया गया है। डॉस से कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है। नियमित डॉस से शरीर की एर्जी बढ़ती है और थकान जैसी समस्या भी छूतमर होती है। डॉस से भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य में बहुत तेजी से सुधार होता है। भारत का एक बड़ा वर्ग इस क्षेत्र से जुड़ा है। देशभर में हजारों की संख्या में डॉस अकेडमी संचालित हैं। प्रत्येक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों में नृत्य के टीचर बच्चों को डॉस का प्रशिक्षण देते हैं। राज्यों व केंद्र सरकार भी भरपूर संसाधन मुहैया कराते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जहां तैयार होते हैं देश की रक्षा करने वाले जांबाज



नागेन्द्र सिंह

तैयारी की पढ़ाई के साथ

ही शुरू हो जाती है। यूपीएससी हर साल ऑफिसर रैंक पर चयन के लिए बारहवीं के बाद एनडीए परीक्षा व ग्रेजुएशन के बाद सीडीएस परीक्षा प्रक्रिया आयोजित करता है। वहीं टेक्निकल एंट्री स्कीम व एनसीसी के माध्यम से भी सेना में युवाओं का चयन किया जाता है।

भारतीय सेना तीन मिलियन से ज्यादा सैनिकों के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है। हर साल भारतीय सेना अपने रैंक में नए सैनिकों और कैडेटों की भर्ती करती है। सेना को ज्वाइन करके अच्छी तनख्वाह के साथ ही रुतबा और जिम्मेदारी भी मिलती है। सेना में कैरियर बनाने के

गणित और सामान्य योग्यता परीक्षण होता है। परीक्षा की अवधि 180 मिनट है और इसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न शामिल हैं। लिखित परीक्षा में न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को एसएसबी साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। इंटरव्यू के लिए चयनित अभ्यर्थियों को कक्षा 12वीं का मूल प्रमाण पत्र या समकक्ष, छात्रों की एक निश्चित श्रेणी के लिए पात्रता प्रमाण पत्र,एससी, एसटी, ओबीसी आदि के लिए जाति प्रमाण पत्र, पहचान और आधार क ा ड र आर्डि/पासपोर्ट/निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज चाहिये।

टेक्निकल एंट्री स्कीम

आप भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तकनीकी योजना परीक्षा का विकल्प चुन सकते हैं। जिन उम्मीदवारों ने



चाहवान युवा 10वीं या 12वीं की पढ़ाई करने के साथ ही इंडियन आर्मी में कैरियर बनाने की तैयारी में लग जाते हैं। जहां अफसर बनने का एनडीए द्वारा आयोजित परीक्षा पास करनी होती है। जानिए भारतीय सेना में कैसे बनते हैं अफसर और एनडीए में कितने रैंक और कौन-कौन से कोर्स होते हैं।

सेना में कैरियर बनाने के तरीके

भारतीय सेना के पदों पर पहुंचने के दो तरीके हैं : प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना या भर्ती रैलियों में भाग लेना। आप स्थायी कमीशन और शॉर्ट-सर्विस कमीशन में से कोई एक भूमिका चुन सकते हैं। स्थायी कमीशन उन उम्मीदवारों के लिए है जो सेवानिवृत्त होने तक सेना में बने रहना चाहते हैं। अल्पकालिक कमीशन पांच साल के अनुबंध के तहत होता है।

एनडीए परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी एनडीए चयन प्रक्रिया निर्धारित करता है जो अधिसूचना और आवेदन पत्र जारी होने के साथ शुरू होती है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार परीक्षा के लिए पात्र होते हैं। अधिसूचना के

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में कुल 70 फीसदी अंकों के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे आवेदन करने के पात्र हैं। चुने गए आवेदक अपनी पसंद की स्ट्रीम में बीई कोर्स में दाखिला लेते हैं और लेफ्टिनेंट रैंक के लिए चार साल तक प्रशिक्षित होते हैं। कैडेट सेना में स्थायी कमीशन प्राप्त कर सकता है।

सीडीएस परीक्षा

यूपीएससी साल में दो बार सीडीएस एग्जाम आयोजित करता है। जो उम्मीदवार स्नातक या स्नातक के अंतिम वर्ष में हैं, वे इस परीक्षा के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार स्थायी कमीशन या शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए भारतीय सैन्य अकादमी, वायु सेना अकादमी, नौसेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में भाग ले सकते हैं। अर्हता प्राप्त करने के लिए, उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, एसएसबी साक्षात्कार में सफल होना होगा और चिकित्सा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

आर्मी कैडेट कॉलेज

नियमित कमीशन 20 से 27 वर्ष की आयु के बीच योग्य



साथ ही एनडीए की रिक्तियों की घोषणा की जाती है। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और एसएसबी साक्षात्कार शामिल हैं। इसमें लिखित परीक्षा में जीएटी और गणित से प्रश्न शामिल होते हैं।

आवश्यक योग्यता

भारतीय सेना में नौकरी पाने के लिए यूपीएससी द्वारा आयोजित कराई जाने वाली परीक्षा पास करनी होती है। इसके जरिए भारतीय सेना में अफसर बन सकते हैं। यह एक ज्वाइंट ट्रेनिंग अकादमी है जहां से सेना, वायुसेना और नौसेना के अफसरों को ट्रेनिंग दी जाती है। एनडीए में भर्ती प्रक्रिया के लिए साइंस वाले छात्र एयरफोर्स और नेवी के लिए मैथ्स और फीजिक्स वाले स्टूडेंट्स अप्लाई कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए स्टूडेंट्स की उम्र 16.5 से 19.5 साल के बीच होनी चाहिए।

एनडीए चयन प्रक्रिया

लिखित परीक्षा एनडीए चयन प्रक्रिया का पहला चरण है। एनडीए लिखित परीक्षा का पैटर्न ऐसा है कि इसे दो पेपरों में विभाजित किया गया है,



फलक फातिमा

हर कोई अपने जीवन में खूब कामयाब होना चाहता है। क्योंकि समाज में इससे नाम होता है या कहें कि रुतबा बढ़ता है। यूं भी सफल ईसान का हर कोई सम्मान करता है। लेकिन कुछ ही लोगों को सफलता पाने की अपनी कोशिशों में कामयाबी मिलती है। यानी बहुत लोग असफल हो जाते हैं। गौरतलब है कि आखिर कैसे कुछ लोग कामयाबी-दर-कामयाबी हासिल करते जाते हैं और कुछ लोग नाकामयाबी पाते हैं। इसके सीधे से जवाब हैं- पहली बात तो सफलता किसी की भी थाली में सजा कर आज तक नहीं मिली है। इसके लिए जीतोड़ मेहनत करनी पड़ती है। योजना बनानी पड़ती है कुछ ऐसे नियम व आदतें अपनानी पड़ती हैं जो हमें सफलता की मंजिल की तरफ ले जाती हैं। जीवन में यदि सफल होना है, अपने आप को बेहतर बनाना है तो हमको कुछ कामयाब करने वाली इन आदतों को सीखना चाहिए और अपने जीवन में जरूर उतारना चाहिए। आइए, उन आदतों के बारे में जानते हैं-

असफलताओं को बना लें गुरु

जीवन में यदि सफलता चाहिए तो सबसे पहले



अपनी असफलता से सीखने की आदत डालिए। क्योंकि खुद की स्थिति और परिस्थिति से उज्जा एक्सपीरिएंस एकदम सटीक ज्ञान देता है। वह अनुभव ये बताता है कि मैंने ऐसी क्या गलती की कि लक्ष्य को पाने में सफल नहीं हो पाया। यह भी कि आपको असफलता आपका सही मूल्यांकन करती और बताती है कि आपको और कौन सी चीज सीखनी बाकी है जिसके बाद सफलता हाथ लग सकती है। तो सबसे पहले अपनी असफलता को ही अपना गुरु बनाएं।

सफल लोगों की जीवनियों को पढ़ना

धरती पर जितने भी सफल लोग हुए हैं आप उनकी जीवनी पढ़ेंगे तो आपको पता चलेगा कि सभी पॉजिटिव विचारों से लैस लोग थे। पता चलेगा कि कामयाब होने वाले शख्स कभी भी निगेटिव विचार को अपने दिमाग में नहीं लाते थे, न ही अपनी

असफलता से कभी घबराते थे। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए जरूरी है आप भी हर बात में नेगेटिव सोचने की आदत छोड़ दीजिए। सफलता के दरवाजे अपने आप खुलते चले जाएंगे।

आलस्य के साथ सुबह की नींद पर काबू

हम और हमारी सफलता के बीच में सबसे बड़ा दुश्मन यदि कोई होता है तो वह हमारा आलस्य ही होता है। नींद, खासकर सुबह के वक्त सबको बहुत अच्छी लगती है लेकिन सफल लोग सुबह बिस्तर जल्दी छोड़ देते हैं और पूरे दिन क्या करना है इसकी प्लानिंग करने लगते हैं। यह जरूर है कि सुबह जल्दी जागने के लिए रात को जल्दी सोना भी लाजिमी है। दरअसल पूरी नींद लेना भी शारीरिक व मानसिक सेहत के लिए जरूरी है। इसीलिए यदि आपको भी जीवन में सफल होना है तो सुबह की नींद त्यागें और अपने कैरियर पर फोकस करें।

कार्यों को करने के तरीकों में बदलाव

सफल लोग एक ही ढर्रे पर आजीवन नहीं चलते हैं। वे प्रतिदिन कुछ नया सीखने का प्रयास करते हैं, कुछ नई-नई चीजों की तरफ अपना दिमाग दौड़ाते रहते हैं और दूसरों को भी नया सिखाने में भरोसा

रखते हैं। लगातार कोई नई भाषा, शौक, नई स्किल सीखते रहें तो इससे दिमाग सक्रिय रहता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। सफल होने वाले लोग किताबें भी पढ़ते रहते हैं। इससे हमारे ज्ञान और समझ दोनों में वित्सार होता है। आप भी इन आदतों को अपनाकर अपनी नॉलेज और समझ को डेवलप कर सकते हैं

स्वास्थ्य एवं चुस्ती

सफलता और जीवन में बेहतर बनने के लिए स्वास्थ्य का अच्छा रहना बहुत जरूरी है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मिस्तष्क का निवास होता है। स्वस्थ मानस ही कुछ नई चीजों का आविष्कार करने के खुद व अपने परिवेश को लाभान्वित कर सकता है। स्वास्थ्य बेहतर रखने के लिए जरूरी है कि आप पोष्टिक भोजन खाएं, नियमित व्यायाम करें व पर्याप्त नींद लें। आसन, प्राणायाम यानी योग का अभ्यास करें। ध्यान यानी मेडिटेशन आपको भीतर से शांत, प्रसन्न व उत्साहित रखने में बहुत मददगार है। ध्यान व्यक्ति के डिप्रेशन और तनाव को कम करके मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। जो किसी लक्ष्य -मंजिल को पाने यानी कामयाबी की जरूरी शर्त भी है।

(यूनिसेफ झारखंड)

समर तेकेशंस: स्मार्ट गैजेट्स से दूर सधी जीवनशैली के करीब



प्रशांत झा

बच्चे अपनी समर तेकेशंस यानी छुट्टियों के समय को

सकारात्मक और रचनात्मक ढंग से बिताएं, यह यकीनी बनाना अभिभावकों का जिम्मा है। पेरेंट्स समय बिताने का माध्यम समझकर स्मार्ट गैजेट्स बच्चों के हाथ में थमा देने से पहले इनके खतरों को समझें। दरअसल, बच्चों में स्क्रीन में गेम्स खेलने की लत से बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं खूब सामने आ रही रही हैं। आपके परिवार में भी कोई बच्चा घंटों मोबाइल में गेम खेलता है, तो समय रहते चेत जाएं। उसकी जीवनचर्या बदलने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

डॉ. मोनिका शर्मा

छुट्टियों में बच्चों को मिलने वाले फ्री समय के इस्तेमाल को लेकर अब और सजगता आवश्यक है। आजकल बच्चे स्कूली रूटीन में ही अपना काफी समय स्क्रीन पर गेम खेलने में बिताते हैं। हाल ही में सामने आया एक मामला इस मोर्चे पर चेताने वाला है। दिल्ली में मोबाइल पर गेम खेलने की लत के कारण एक 19 साल के लड़के को रीढ़ की हड्डी की सर्जरी करवानी पड़ी। करीब 12 घंटे तक अपने कमरे में अलग-थलग रहने की वजह से उसे आंशिक लकवा हो गया था। धीरे-धीरे उसकी रीढ़ की हड्डी झुक गई और ब्लैडर पर कंट्रोल तक खोने लगा। मोबाइल गेमिंग एडिक्शन के कारण अस्पताल पहुंचने पर उसे चलने में भी मुश्किल हो रही थी। बच्चों में स्क्रीन में गेम्स खेलने की लत से बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं अब खूब हो रही हैं। आपके परिवार में भी कोई बच्चा घंटों मोबाइल में गेम खेलता है, तो समय रहते चेत जाएं। छुट्टियों के समय को सकारात्मक और रचनात्मक ढंग से बिताने के मार्ग तलाशें।

स्मार्ट गैजेट्स खिलौने नहीं



छुट्टियों में समय बिताने के लिए स्मार्ट गैजेट्स को खिलौने न बनाएं। अभिभावक बच्चों को पहले आदत और आगे चलकर लत की उस स्थिति तक न पहुंचाएं। एकबार स्मार्ट स्क्रीन में गेम्स खेलने की लत लग जाने पर बच्चे इनके बिना खुश रहना ही भूल जाते हैं। तकलीफदेह है कि दादी-नानी के घर आए बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स में ही गुम रहते हैं। अभिभावक समय बिताने का माध्यम समझकर गैजेट्स बच्चों के हाथ में थमा देने से पहले इनके खतरों को समझें। इन्से पैदा होने वाले जोखिमों को याद रखें। बचपन सहेजने के लिए जिन कोशिशों की दरकार है, उनमें मासूम मन को इन टेक्नीकल गैजेट्स के जाल से बचाना सबसे अहम है। अब जरूरी हो गया है कि बच्चों को गैजेट्स की दुनिया में खेलने या समय बिताने भर के लिए न धकेलें। एक बार मोबाइल में गेम्स खेलने की आदत हो जाये तो इन्से बाहर

निकालना मुश्किल हो जाता है। आदत हो जाने पर कुछ बच्चे स्मार्ट फोन या आईपैड न देने पर जिद करते हैं। गुस्सा दिखाते हैं। छोटे-छोटे बच्चे हाइपर हो जाते हैं। स्पष्ट है कि व्यवहार की समस्याएं देने वाली चीजें खिलौने नहीं हो सकतीं।

अनजान न बनें अभिभावक

आज शहरी ही नहीं, गांवों-कस्बों में रहने वाले अभिभावकों को भी इन गैजेट्स से होने वाली तकलीफों की जानकारी है। कमोबेश सभी जानते हैं कि इनका हद से ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदेह है। फिर भी घर-घर में बच्चे इन स्मार्ट गैजेट्स के साथ घंटों खेलते हैं। कहीं न कहीं इस अनदेखी की वजह बड़ों का स्वार्थ भी होता है। उनके पास न बच्चों से बात करने का समय है और न ही खेलने का। ऐसे में स्मार्ट गैजेट्स बच्चों को व्यस्त रखने का सबसे सहज तरीका लगने लगे हैं। मॉल, मूवी, ट्रेवलिंग या

घर। बच्चों के फुर्सत के लम्हे स्क्रीन स्कॉल करते बीत रहे हैं। कुछ अपने काम में खलल न पड़ने की चाह तो कुछ बच्चों के मासूम मन की ख्वाहिश। अभिभावकों ने तकनीक से मिली सहूलियत को बच्चों की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बनाकर समस्या खड़ी कर ली है। सब कुछ जानते-समझते की जा रही यह अनदेखी कई मामलों में बीमारियां पैदा कर रही है। अमेरिका और इंग्लैण्ड जैसे देशों में तो अभिभावक महंगी फीस चुकाकर बच्चों को मोबाइल की लत से छुटकारा दिला रहे हैं।

सजग होना होगा

आंगन की खिलखिलाहट माने जाने वाले बच्चे स्क्रीन के दायरे तक सिमटकर व्याधियों के घेरे में आने लगे हैं तो सचेत होना जरूरी है। इस मोर्चे पर परिजनों की भूमिका अहम है, क्योंकि बच्चों का मन स्क्रीन की मन-मुताबिक





एनसीपी ने डीसी को किया सम्मानित

जहमशेदपुर। सोमवार को एनसीपी युवा मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता डॉ पवन पांडेय के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा सम्मानित सराईकेला खरसावां के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला को उनके बेहतर कार्यशैली के लिए पार्टी की ओर से शाल आढ़ाकर सम्मानित किया। पार्टी द्वारा एक मांग पत्र सौंपकर सराईकेला खरसावां जिला अन्तर्गत आने वाले कपाली क्षेत्र में जमीन के कारोबार में होने वाली हथ्याओं पर अंकुश लगाने की मांग की गयी है।

राजभवन धरना में पहुंचे जमशेदपुर के कांग्रेसी

जमशेदपुर। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में सरना धर्म कोड को जनगणना के सातवां कालम में जोड़ने के लिए राजभवन पर धरना कार्यक्रम में जमशेदपुर से काफी संख्या में कार्यकर्तागण जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में रांची पहुंचे।

कर्ण जमशेदपुर, चंदन चाईबासा और नितिश सरायकेला के नये डीसी

जमशेदपुर। कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम,पश्चिम सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले के डीसी का तबादला कर दिया है। पूर्वी सिंहभूम के वर्तमान डीसी अनन्य मितल की जगह कर्ण सत्याश्री नये डीसी होंगे जबकि पश्चिमी सिंहभूम के वर्तमान डीसी कुलदीप चौधरी की जगह चंदन कुमार नये डीसी होंगी। सरायकेला के वर्तमान डीसी रविशंकर शुक्ला की जगह नीतीश कुमार सिंह नये डीसी होंगे।

सरायकेला डीसी के नाम फर्जी फेसबुक प्रोफाइल

जमशेदपुर। साइबर अपराधियों के द्वारा ऐट डीसी सरायकेला नाम से फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर जिलेवासियों को फ्रेंड रिक्स्ट भेजी जा रही है, साथ ही असामान्य संदेश भी प्राप्त हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा लोगों से सतर्क रहने की अपील की जाती है। अगर किसी को इस फर्जी फेसबुक आईडी से फ्रेंड रिक्स्ट या किसी प्रकार का संदेश प्राप्त होता है, तो तुरंत उसे रिपोर्ट कर ब्लॉक करें।

कान्चाई चालक की सड़क दुर्घटना में मौत

जमशेदपुर। टीटीसीए के कान्चाई चालक गोविंदपुर गिटटी मशीन निवासी राहुल बिरुली की सिमडेगा में कान्चाई ले जाते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसकी जान चली गई। बिरुली की मौत की खबर मिलते ही कान्चाई चालकों में शोक की लहर दौड़ गयी। बता दें कि एक माह पूर्व एक अन्य कान्चाई चालक सुखदेव सिंह की मौत वेंसिस ले जाते वक्त हो गयी थी। संघ के नेता ज्ञान सागर प्रसाद ने बताया कि कान्चाई ले जाते वक्त हादसे में जान गंवाने वाले चालकों का इश्चोरेंस नहीं होने से उनके परिवार को ठोस आर्थिक क्षतिपूर्ति नहीं हो पाती।

बामनी चौक : बाइक कार की टक्कर, एक की मौत

जमशेदपुर। जमशेदपुर से सटे ग्रामीण क्षेत्र पटमदा के बामनी चौक पर एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक पदम माझी की मौत हो गई जबकि एक साथी बबलु हेम्ब्रम बुरी तरह घायल हो गया। हेम्ब्रम का एमजीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। दोनो युवक जब घर लौट रहे थे तभी हादसे के शिकार हो गये।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत



जमशेदपुर। सिंहभूम चेम्बर अफ कमर्स एंड इंडस्ट्री जमशेदपुर के 75वा वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के जमशेदपुर आम्राम पर सोनारी एयरपोर्ट पर सिंहभूम चेम्बर सदस्य कृष्णा शर्मा (काली शर्मा) द्वारा अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

टीएमएच की रीढ़ है इमर्जेंसी डिपार्टमेंट, हर दिन 200 मरीजों की हो रही सेवा

विश्व आपातकालीन चिकित्सा दिवस (27 मई) पर विशेष

डॉ विनीता पाणिग्राही

जमशेदपुर। आपातकालीन चिकित्सा, चिकित्सा क्षेत्र की एक विशेष शाखा है, जो अचानक हुई बीमारियों या गंभीर चोटों के साथ आने वाले रोगियों के त्वरित मूल्यांकन और तत्काल उपचार पर केंद्रित होती है। आज यह चिकित्सा स्नातकोत्तर शिक्षा में एक महत्वपूर्ण और स्वतंत्र विशेषज्ञता के रूप में स्थापित हो चुकी है।

ऐतिहासिक रूप से, फ्रांसीसी सैन्य सर्जन डमिनिक जॉन लैरी ने फ्रांसीसी क्रांति के दौरान एंजुलेंस की अवधारणा पेश की, जिसका

उद्देश्य घायल सैनिकों को तेजी से एक केंद्रीय स्थान पर पहुंचाना था, जहाँ उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सके। यह विचार आधुनिक मोबाइल सेना सर्जिकल अस्पताल (एमएएसएच) इकाइयों की नींव बना, जहां चोट लगने के बाद के प्रारंभिक घंटे जिसे गोल्डन अवर कहा जाता है में केंद्रित और प्रभावी उपचार संभव होता है।

एमएएसएच (मोबाइल आर्मी सर्जिकल हस्पिटल) इकाइयों ने समय पर उपचार की सुविधा देकर चोट के बाद होने वाली मृत्यु दर को प्रभावशाली रूप से घटा दिया। इसी सिद्धांत ने ‘‘गोल्डन अवर रिससिटेशन’’चोट लगने के प्रारंभिक घंटे में त्वरित और प्रभावी उपचारको आपातकालीन विभाग (ईडी) का मूल उद्देश्य बना दिया।

फ्रांसीसी युद्धों के दौरान आपातकालीन चिकित्सा की नींव रखने वाले विचारों और व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए डमिनिक जॉन लैरी को आपातकालीन चिकित्सा के जनक के रूप में सम्मानित किया गया। आपातकालीन चिकित्सा दिवस की परिकल्पना यूरोपीय आपातकालीन चिकित्सा संघ (ईयूएसईएम) द्वारा की गई थी, और इसे पहली बार 27 मई 2019 को मनाया गया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य न केवल आपातकालीन चिकित्सा की जीवनरक्षक भूमिका के प्रति जनजागृति फैलाना था, बल्कि इस क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों के लिए बेहतर संसाधन, प्रशिक्षण और संरचनात्मक सहयोग सुनिश्चित करने की वैश्विक मांग को भी



डॉ विनीता पाणिग्राही।

मजबूती देना था।

भारत में आपातकालीन चिकित्सा की शुरुआत वर्ष 1995 में हुई, जब इसे एक विशिष्ट चिकित्सीय अनुशासन के रूप में मान्यता दी गई। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण में ट्रमा केयर, क्रिटिकल केयर, टक्सिकोलोजी, रिससिटेशन और

आपातकालीन प्रक्रियाओं को शामिल किया गया। वर्ष 2013 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की स्थापना, जिसमें आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम भी सम्मिलित है, ने देश में आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने भारत के मेडिकल कलेजों में आपातकालीन चिकित्सा विभागों की स्थापना के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों में न्यूनतम बुनियादी अवसरचना और संकाय आवश्यकताओं, पाठ्यक्रम, नैदानिक प्रशिक्षण की आवश्यकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के मानकों को शामिल किया गया है,

जिससे इस क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा और सेवाओं को बढ़ावा मिल सके। आपातकालीन विभाग (ईडी) मरीजों का अस्पताल में पहला संपर्क बिंदु होता है। यह सामान्यतः एक व्यस्त और भीड़-भाड़ वाला क्षेत्र होता है, जहाँ विभिन्न प्रकार के रोगी आते हैं। यहां गंभीर रूप से बीमार मरीजों की शीघ्र पहचान कर उन्हें प्राथमिकता देते हुए त्वरित और आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रक्रिया को ट्रायेज कहते हैं, जिसे विशेष प्रशिक्षित ट्रायेज डॉक्टर द्वारा नियंत्रित किया जाता है। कम गंभीर और स्थिर मरीज अपनी बारी का इंतजार करते हैं, जो अस्पताल की भीड़ के आधार पर 15 मिनट से लेकर एक घंटे तक भी हो सकता

है। आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के परिवारजनों के भावुक और तनावपूर्ण प्रतिक्रियाओं के हश्य आम होते हैं, इसलिए यहां पर्याप्त और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक होता है। टाटा मेन हस्पिटल (टीएमएच) का आपातकालीन विभाग (ईडी) गंभीर मरीजों के इलाज के लिए समर्पित और दक्ष टीम द्वारा संचालित है, जिसमें 23 मेडिकल ऑफिसर्स, आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ, सामान्य चिकित्सक, सामान्य सर्जन शामिल हैं, साथ ही अस्पताल की अन्य सभी विशेषज्ञताएं 24 गुणा 7 उपलब्ध रहती हैं। **(लेखक जमशेदपुर टीएमएच के इमर्जेंसी मेडिसिन के एचओडी, हैं।)**

एक नजर में

ईस्ट प्लांट बस्ती में महिलाओं ने की वट सावित्री पूजा

जमशेदपुर। ईस्ट प्लांट बस्ती वर्मा माईस में यज्ञ स्थल के पास बट वृक्ष के पास बहुत महिलाओं की बहुत भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी ही उत्साह के साथ महिलाओं ने पूजा और



अर्चना की। धर्म और आस्था का सम्मेलन बहुत ही अच्छे ढंग से दिखा ईस्ट प्लांट बस्ती के यज्ञ स्थल पर बट सावित्री पूजा पहली बार की गई है। महिलाओं ने यह भी बताया कि पहली बार एक ऐसा स्थान पूजा का मिला है जिस पर किसी प्रकार का कोई बंधन नहीं है। हम सभी मुक्त रूप से खुशी से यहां पूजा अर्चना कर सकते हैं। यह मैदान सड़क पर होने के कारण कई महिलाएं बाहरी क्षेत्र की भी गाड़ी से आई और उन्होंने भी वहां पर पूजा किया। हर्ष उल्लास के साथ बहुत बड़ी भीड़ ने पूजा किया। साथ ही ब्राह्मण द्वारा सावित्री देवी की कथा का वर्णन भी किया गया। कथा में बताया गया कि किस तरह सावित्री ने सत्यवान की जान यमराज से बचाकर अपने पति को चिरंजीवी किया था।

शिक्षा ही ब्रह्मास्त्र है, शिक्षित समाज से ही होगा राष्ट्र निर्माण : अमरप्रीत सिंह

जमशेदपुर। रविवार को सिख विजडम अकैडमी के वार्षिक पुरस्कार समारोह (सत्र 2024–2025) में सम्मिलित होकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सेंट्रल गुजराट प्रबंधक समिति (सीजीपीसी) के नेतृत्व में संचालित यह अकैडमी न केवल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, संस्कार और नेतृत्व की भावना का भी विकास कर रही है। यह हमारे शहर जमशेदपुर के लिए गर्व की बात है कि ऐसी संस्थाएं समाज के भविष्य निर्माण हेतु निःस्वार्थ भाव से कार्यरत हैं। इस अवसर पर काले ने कहा, मेरे लिए यह अत्यंत सम्मान का क्षण रहा कि मैंने मेधावी बच्चों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस उत्तम आयोजन हेतु सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह की संपूर्ण टीम तथा सिख विजडम अकैडमी के सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह प्रयास इसी प्रकार समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाता रहे।



एमटीएमसी के 300 से अधिक कर्मियों का पोस प्रशिक्षण

जमशेदपुर। एक सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक कार्यस्थल वातावरण को बढ़ावा देने के अपने सतत प्रयासों के तहत, मणिपाल टाटा मेडिकल कलेज (एमटीएमसी) के आउटरीच विभाग ने 26 मई 2025 को एक व्यापक पोस (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के 300 से अधिक शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य था महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाना और उन्हें ऐसे मामलों से निपटने हेतु संस्थागत तंत्र के बारे में जानकारी देना। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सुश्री बरनाली चक्रवर्ती (विशेषज्ञ, युवा शक्ति फाउंडेशन) थी, जिन्होंने संवादात्मक शैली में प्रतिभागियों को अधिनियम के कानूनी प्रावधानों, वास्तविक जीवन के केस स्टडीज, और एक लिंग-संवेदनशील कार्यस्थल की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) की भूमिका, प्रक्रिया और चर्चाओं को भी विस्तार से समझाया। एक अन्य सत्र में सुश्री पद्मा कुमारी (पद्म शक्ति फाउंडेशन) ने लैंगिक वकालत और समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उत्पीड़न को रोकने के लिए जागरूकता, अनुसंधूति और संस्थागत जवाबदेही की महत्ता पर जोर दिया। उनके सत्र में सम्मान की संसर्ति निर्माण, दर्शक हस्तक्षेप को बढ़ावा देने, और अनुचित व्यवहार की पहचान व प्रतिक्रिया की व्यावहारिक रणनीतियां शामिल थीं।

टाटा स्टीलकर्मों प्रवीण और विकास ने किया रक्तदान



जमशेदपुर। कहते हैं कि मदद्दार बनना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने घर से शुरु कीजिये, अंग्रेजी में एक मशहूर कहावत के रूप में चौरट्टी बिगिनिय एट होम के रूप में यह दर्ज है, रेड क्रस कार्यकर्ता भी कुछ इसी थीम पर काम करते हैं, आज रेड क्रस के एसडीपी डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह ने एक जरूरतमंद रोगी के लिए रक्त उपलब्ध कराने हेतु अपने बहनोई व टाटा स्टील कर्मों प्रवीण चौधरी को प्रेरित किया और साथ ही अपने साथी व टाटा वर्कर्स यूनियन के कमेटी मेम्बर विकास कुमार को रक्तदान हेतु प्रेरित किया ताकि किसी जरूरतमंद को जीवन बचाया जा सके। श्री सिंह ने बाहर से मदद मांगने के बजाय अपने आसपास व परिजनों को ही इस हेतु प्रेरित कर दो लोगों के जीवन को बचाने में महति भूमिका निभायी। श्री सिंह के परिवार के हर युवा सदस्य रक्तदाता है।

संक्रमण से बचाव के लिए मास्क पहनें

जमशेदपुर। रेड क्रस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम ने हाल के दिनों में देश के शहरों में कोविड के मामलों के कारण लोगों से सतर्क रहना का आह्वान किया है। रेड क्रस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद विजय कुमार सिंह ने कहा कि दो मासों के बीच व सर्दी, गर्मी एवं बरसात की अनिश्चितता के समय शरीर में रोगी प्रतिरोधी क्षमता बहुत अधिक प्रभावित होती है, ऐसे समय में संक्रमण का खतरा सबसे अधिक रहता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि जो साधारण मानदंड है उसका अवश्य पालन करें।



जाहिरा में रागा पहाड़ देवता की पूजा-अर्चना करते राजदोह के ग्रामीण और शिकार पर जाते जिले भर से आये ग्रामीण।

बाजे के साथ पूजा श्रद्ध अर्चना कर रागा पहाड़ देवता से गांव की खुशहाली, हरियाणा, बारिश की कामना की गई।इस मौके पर राजदोहा ग्राम प्रधान माझी युवराज टुडू,सामाजिक कार्यकर्ता शिव चरण मुर्मु, सागर सरदार ने कहा में इस पूजा में राजदोहा, रानी कूदर, स्वर्ग छिड़ा से भारी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए व रागा पहाड़ देवता से क्षेत्र की खुश हाली व समृद्धि की कामना की।ग्राम प्रधान माझी युवराज टुडू मानते है कि शिकार पूर्व के मौके पर रागा पहाड़ देवता की पूजा-अर्चना नहीं करने से गांव में महामारी समेत अन्य



बीमारी बढ़ने का खतरा रहता है। जिसे टालने के लिए रागा पहाड़ देवता की पूजा - अर्चना की। गई।यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। ऐसा करने से शिकार पूर्व पर जंगली जानवरों का हमले का खतरा नहीं रहता व लोग सुरक्षित संंदरा पर्व मनाकर लौट सके।

शिकार पर्व को लेकर राजदोहा रागा पहाड़ पर आयोजित शिकार पर्व को लेकर चपेन्त्र चप्पे पर राखा माईस वन प्रक्षेत्र वन विभाग कर्मियों का था पहरा थे।इस दौरान शिकार पर्व को लेकर जंगली जानवरों का शिकार नहीं करने को लेकर वन कर्मों समझाते दिखे।

गांवों में शराब नीति के खिलाफ भाजपा ने निकाला आक्रोश मार्च

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड सरकार के शराब नीति गांवों में लागू करने के खिलाफ आज भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा जमशेदपुर महानगर जिला अध्यक्ष रमेश बास्के के नेतृत्व में लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल कलेज कारनडीह से करनडीह चौक तक आक्रोश मार्च निकलकर झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाया गया। बीजेपी नेता राम सिंह मुंडा ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में शराब दुकान खोल कर, झारखंड के



ग्रामीणों को मौत के मुंह में धकेलने का काम ना करें, क्योंकि झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले, आदिवासी, मूलवासी किसान मजदूर छत्र, युवा वर्ग, का मासिक/वार्षिक आय का स्रोत, इतना नहीं है कि आपके द्वारा खोले जाने वाले

सरकारी शराब का सेवन कर सके। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्रोत मुख्य रूप से खेती बाड़ी, मजदूरी, छोटा व्यापार, वन उपज, पत्ता दातून बेचना, सूखी लकड़ी बेचना, महुआ चुनना, मुर्गा, मुर्गी, बकरी पालना ही मुख्य पेशा है।

श्रीनाथ यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग के छात्रों का आनंद वूप पुणे में प्लेसमेंट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। श्रीनाथ यूनिवर्सिटी में प्लेसमेंट का दौर लगातार जारी है। इस बार डिप्लोमा कंप्यूटर साईंस इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रनिक्स इंजीनियरिंग, और डिप्लोमा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के प्रतिभाशाली 8 छात्रों ने देश की प्रतिष्ठित आनंद ग्रुप पुणे में बाजी मारते हुए सफलता प्राप्त की है। श्रीनाथ वि्वि के चयनित छात्रों में मीरा गोरार्ड, नेहा प्रसाद, संपदा बेरा, स्नेहा कुमारी, अंजलि गुप्ता,



गौतम गंभीर यादव, पियूष कवी और राहुल महतो के नाम शामिल हैं। यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत, तकनीकी दक्षता, और वि्वि द्वारा प्रदान की गई उद्योग-उन्मुख शिक्षा, प्रायोगिक प्रशिक्षण और समर्पित प्लेसमेंट समर्थन का प्रतिफल है। प्लेसमेंट सेल की सतत मेहनत और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन ने छात्रों को प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया में सफल होने के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया।

मनरेगा सोशल ऑडिट का टंडवा में बहिष्कार जनसुनवाई में समिति सदस्यों की भूमिका हो स्पष्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

पिपरवार। टंडवा प्रखंड में मनरेगा योजना के तहत हो रहे सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम का पंचायत समिति सदस्यों ने सामूहिक रूप से बहिष्कार किया है। पूरे प्रखंड में किसी भी पंचायत समिति सदस्य की उपस्थिति जनसुनवाई कार्यक्रम में दर्ज नहीं हुई, जिससे जनसुनवाई की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। टंडवा प्रखंड प्रमुख रीना कुमारी ने जानकारी दी कि प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा आयोजित बैठक में समिति सदस्यों की उपस्थिति को

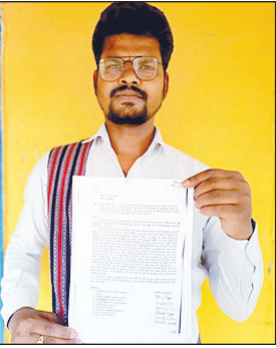


अनिवार्य नहीं बताया गया, जबकि जनसुनवाई के दौरान उन्हीं सदस्यों को ज्यूरी मेंबर के रूप में निर्णय की भूमिका में रखा जाता है। प्रमुख ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि मनरेगा योजना में प्रखंड प्रमुख और पंचायत समिति की क्या भूमिका

होगी। पंचायत समिति सदस्यों का आरोप है कि मनरेगा योजनाओं में व्यापक अनियमितताएं हैं और राशि का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक प्रखंड प्रमुख की स्वीकृति नहीं मिलती, वे जनसुनवाई प्रक्रिया में भाग नहीं लेंगे। प्रखंड प्रमुख ने यह भी कहा कि वर्तमान व्यवस्था में केवल मुखिया की भूमिका प्रमुख मानी जाती है, जबकि पंचायत समिति और प्रखंड प्रमुख को दरकिनार कर दिया गया है। उन्होंने मनरेगा में जनप्रतिनिधियों की स्पष्ट भूमिका तय करने की मांग की है।

टेटांगी में गैरमजरुआ पर अवैध बंदोबस्ती के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध

कार्रवाई नहीं होने पर आमरण अनशन की चेतावन



कराए जाने की बात कही गई। उपायुक्त द्वारा टेटांगी के भु स्वामियों को तीन दिन में जांच कर कार्रवाई

बताया कि इस बाबत 10 सितंबर 2022आ और पुनः 10 मई 2025 को ग्रामसभा की बैठक पंचायत मुखिया रेखा कुमारी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से फर्जी बंदोबस्ती रद्द करने का प्रस्ताव पारित किया गया। सभी संबंधित दस्तावेज अंचल कार्यालय टंडवा, अनुमंडल कार्यालय सिमरिया एवं उपायुक्त कार्यालय चतरा को सौंपे जा चुके हैं। इस मामले को ग्रामीणों ने 11 मार्च 2025 एवं 2 मई 2025 को जनता दरबार में उपायुक्त के समक्ष आवेदन देकर अवगत

खबर मन्त्र संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र अंतर्गत बहैरा पंचायत के मौजा-टेटांगी की गैरमजरुआ खास भूमि पर अवैध बंदोबस्ती को लेकर गांव में उबाल है। टंडवा अंचल अंतर्गत ग्राम टेटांगी के ग्रामीणों ने खता संख्या 01, प्लॉट संख्या 36, 60 एवं 61, कुल 16.00 एकड़ जमीन पर देवकी कहार, पिता शंकर कहार के वंशजों द्वारा की गई फर्जी बंदोबस्ती और जमाबंदी को रद्द करने की मांग को लेकर जिला प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध मे ग्रामीणों ने



